Page-01_Layout 1 3/6/2025 12:35 AM Page 1

■ वर्ष-17 ■ अंक-46 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य : 1 रुपए

नई दिल्ली, गुरुवार, 6 मार्च, 2025

newdibyabharat@gmail.com

जयशंकर लंदन में मिले कीर स्टार्मर से, द्विपक्षीय संबंधों और... पृष्ठ-6

# दिव्य भारत

| राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक |

आईसीसी वनडे रैंकिंग में विराट कोहली चौथे स्थान पर... पृष्ठ-7

## भारत एआई अनुसंधान के लिए एक राष्ट्रीय वृहद भाषा मॉडल स्थापित करेगा : प्रधानमंत्री

**रमाकान्त पाण्डेय**

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) अनुसंधान के लिए एक राष्ट्रीय वृहद भाषा मॉडल (एलएलएम) स्थापित करेगा। उन्होंने उद्योगों से इस क्षेत्र में निवेश के लिए कहा। प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रोजगार सृजन पर बजट के बाद वेबिनार को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि इस वर्ष का केन्द्रीय बजट मजबूत कार्यबल और बढ़ती अर्थव्यवस्था का मार्ग प्रशस्त करता है। मोदी ने कहा कि देश का भविष्य इनोवेशन में किए जा रहे निवेश से निर्धारित होता है। भारत की अर्थव्यवस्था में एआई कई लाख करोड़ रुपये की ग्रोथ दे सकती है। उन्होंने कहा कि भारत एआई की क्षमताओं को विकसित करने के लिए राष्ट्रीय वृहद भाषा मॉडल (एलएलएम) की स्थापना भी करेगा। इस दिशा में हमारे प्राइवेट सेक्टर को भी दुनिया से एक कदम आगे रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि एक विश्वसनीय, सुरक्षित और लोकतांत्रिक देश जो एआई में किफायती समाधान दे सके विश्व को उसका इंतजार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों, अर्थव्यवस्था और नवाचार में निवेश एक ऐसी थीम है, जो विकसित भारत के रोडमैप को परिभाषित करती है। इस साल के बजट में इसका प्रभाव भी बहुत बड़े स्तर पर दिख रहा है। इसलिए ये बजट भारत के भविष्य का ब्लूप्रिंट बनकर सामने आया है। उन्होंने कहा कि हमने निवेश में जितनी प्राथमिकता बुनियादी ढांचे और उद्योगों को दी है, उतनी ही प्राथमिकता लोगों, अर्थव्यवस्था और इनोवेशन को भी दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों में निवेश का विजन शिक्षा, कौशल और स्वास्थ्य सेवा जैसे तीन स्तंभों पर खड़ा होता है। उन्होंने कहा कि आज भारत का शिक्षा प्रणाली कई दशक के बाद कितने बड़े परिवर्तन से गुजर रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति, आईआईटी का विस्तार, शिक्षा में तकनीक को शामिल करना, एआई का इस्तेमाल और 22 भारतीय भाषाओं में शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराना जैसे बड़े कदम उठाए गए हैं।

## दिल्ली सरकार की शिक्षा व्यवस्था देश में सर्वोत्तम हो : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली सचिवालय में विकसित दिल्ली बजट को लेकर शिक्षाविदों के साथ संवाद किया। रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार शिक्षा व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए, जो देश में सर्वोत्तम हो। इस दिशा में हम निरंतर प्रयासरत हैं। इस संवाद में शिक्षा से जुड़े विशेषज्ञों, शिक्षकों और विभिन्न संगठनों ने अपने विचार साझा किए।

मुख्यमंत्री ने इसे सकारात्मक पहल बताते हुए कहा कि वर्षों से चली आ रही चुनौतियों पर खुलकर चर्चा हुई और कई महत्वपूर्ण सुझाव सामने आए। उन्होंने कहा कि यह संवाद दिल्ली के समग्र विकास और आगामी बजट को और प्रभावी बनाने में सहायक होगा।

दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को नए स्तर पर ले जाने और सरकारी व निजी स्कूलों के बीच की खाई को हटाने के उद्देश्य से आज मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि सरकार जनता के सुझावों को गंभीरता से ले रही है। उन्होंने कहा कि हमारी ईमेल आईडी और व्हाट्सएप नंबर पर सैकड़ों सुझाव प्राप्त हो रहे हैं। हमारी टीम उन सभी सुझावों की समीक्षा कर रही है ताकि दिल्ली की जनता को एक सर्वश्रेष्ठ बजट प्रदान किया जा सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आश्वासन दिया कि यह बजट दिल्ली के नागरिकों का बजट होगा, जो राजधानी की समृद्धि और शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करेगा।

### जापान-भारत व्यापार सहयोग समिति के प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली, (हि.स.)। जापान-भारत व्यापार सहयोग समिति (जेआईबीसीसी) के 17 सदस्यों वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इसका नेतृत्व जेआईबीसीसी के अध्यक्ष तात्सुओ यासुनागा कर रहे थे। प्रतिनिधिमंडल में विनिर्माण, बैंकिंग, एयरलाइंस, फार्मा सेक्टर, प्लांट इंजीनियरिंग और लॉजिस्टिक्स जैसे प्रमुख क्षेत्रों के प्रमुख जापानी कॉर्पोरेट घरानों के वरिष्ठ नेता शामिल थे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान जारी कर बताया कि यासुनागा ने प्रधानमंत्री को जापान-भारत व्यापार सहयोग समिति की आगामी 48वीं संयुक्त बैठक के बारे में जानकारी दी, जो भारत-जापान व्यापार सहयोग समिति के साथ 6 मार्च को नई दिल्ली में होने वाली है। चर्चा में भारत में उच्च गुणवत्ता वाले, कम लागत वाले विनिर्माण, अफ्रीका पर विशेष ध्यान देने के साथ वैश्विक बाजारों के लिए विनिर्माण का विस्तार, तथा मानव संसाधन विकास और आदान-प्रदान को बढ़ाने जैसे प्रमुख क्षेत्रों को शामिल किया गया। प्रधानमंत्री ने भारत में जापानी व्यवसायों की विस्तार योजनाओं और मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड के प्रति उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कौशल विकास में सहयोग बढ़ाने के महत्व पर भी प्रकाश डाला, जो भारत-जापान द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख स्तंभ बना हुआ है। मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि वे भारत में उनकी विस्तार योजनाओं और मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता से उत्साहित हैं।

## भारत जल्द ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा : धनखड़

झुंझुनू, (हि.स.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक ऐतिहासिक कदम है, जिससे लोकसभा और विधानसभा में महिलाओं को एक तिहाई आरक्षण मिलेगा। इससे नीति-निर्माण में महिलाओं की अधिक भागीदारी होगी और शासन व्यवस्था सुचारू रूप से चलेगी। उपराष्ट्रपति ने कहा कि जब वे सैनिक स्कूल चित्तौड़गढ़ गए, तब उन्हें उम्मीद नहीं थी कि वहां लड़कियां भी पढ़ेंगी। उन्होंने खुशी जाहिर की कि अब झुंझुनू के सैनिक स्कूल में भी लड़कियों का प्रवेश हो चुका है। साथ ही मथुरा में केवल लड़कियों के लिए एक सैनिक स्कूल स्थापित किया गया है। वह बुधवार को राजस्थान में झुंझुनू जिले के संगासी स्थित महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ संवाद कर रहे थे। इस दौरान उनकी पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ भी उपस्थित रहीं।

उपराष्ट्रपति ने इस बात पर भी गर्व जताया कि अब लड़कियां लड़ाकू विमान उड़ाने के साथ ही भारतीय सेना में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। झुंझुनू जिले को नारी सशक्तिकरण का प्रतीक बताते हुए उन्होंने जिले की दो महिलाओं कमला बेनीवाल और सुमित्रा सिंह का उदाहरण दिया। कहा कि कमला बेनीवाल विधायक, मंत्री और राजस्थान की उप मुख्यमंत्री रही हैं, साथ ही गुजरात की राज्यपाल भी बनीं। वहीं सुमित्रा सिंह कई बार विधानसभा सदस्य रहीं, मंत्री बनीं और राजस्थान विधानसभा की अध्यक्ष भी बनीं।

उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है। हमने इंग्लैंड को पीछे छोड़ दिया है और जल्द ही जापान और जर्मनी को भी पीछे छोड़कर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। आज का भारत वैसा ही है, जैसा प्राचीन समय में विश्व गुरु हुआ करता था। उन्होंने छात्रों से कहा कि वे स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, क्योंकि यदि वे खुद स्वस्थ नहीं रहेंगे तो दूसरों की मदद करने के बजाय खुद को मदद मांगनी पड़ेगी। उन्होंने बच्चों से कहा कि अपनी सोच को सदैव सकारात्मक व ऊंची रखें।

उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संघर्ष को सराहते हुए कहा कि वे जनजातीय समुदाय से आती हैं, लेकिन अपने कठिन परिश्रम के बल पर विधायक, मंत्री और राज्यपाल बनीं और अब देश के सर्वोच्च पद पर आसीन हैं। यह ही भारतीय लोकतंत्र की सच्ची ताकत है। उपराष्ट्रपति ने बताया कि भारत में आज 12 करोड़ घरों में शौचालय बनाए गए हैं और 55 करोड़ लोगों के बैंक खाते खुले हैं। उन्होंने कहा कि भारत की इंटरनेट खपत अमेरिका और चीन को मिलाकर भी ज्यादा है। साथ ही, सड़कों का जाल तेजी से फैल रहा है और नई ट्रेनें शुरू की जा रही हैं।

## केजरीवाल अपने लिए एक कुर्सी ढूंढ रहे हैं : वीरेंद्र सचदेवा

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा है कि दिल्ली चुनाव हारने के बाद आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल अपने लिए एक कुर्सी ढूंढ रहे हैं क्योंकि उन्हें सुख भोगने की आदत लग गई है। उन्होंने कहा कि विपासना तो सिर्फ एक बहाना है। पिछली बार से इस बार केजरीवाल ने विपासना की जगह भी बदल दी है।

वीरेंद्र सचदेवा ने बुधवार को एक बयान में कहा कि पंजाब में अरविंद केजरीवाल विपासना नहीं विलासिता करने गए हैं। केजरीवाल आज जिस ऐश्वर्य में है, उन्हें सहूलियत की यह आदत पिछले 12 सालों में पड़ चुकी है। आज जिस प्रकार से उनके काफिले का वीडियो सामने आया है। वह केजरीवाल के आम आदमी होने के दावे को झूठा साबित करता है। केजरीवाल पिछले 12 सालों से दिल्लीवासियों के टैक्स के पैसों से सत्ता सुख भोग रहे थे, जिसका जवाब आखिरकार जनता ने उन्हें दे दिया, इसलिए अपनी राजनीतिक जमीन खिसकता देख अब वह पंजाब की जनता के टैक्स के पैसों को बर्बाद करने में लगे हैं।

## पंजाब में सैकड़ों किसान नेता हिरासत में, चंडीगढ़ की 12 सीमाएं सील

चंडीगढ़, (हि.स.)। पंजाब के किसान संगठनों द्वारा बुधवार को चंडीगढ़ कूच की घोषणा को देखते हुए पंजाब पुलिस ने जहां सैकड़ों किसानों को हिरासत में ले लिया है, वहीं बुधवार सुबह से ही चंडीगढ़ की तरफ से जाने वाले सभी 12 रास्तों को सील कर दिया गया है। पंजाब, हरियाणा व चंडीगढ़ पुलिस द्वारा बॉर्डर की सभी सीमाओं को सील कर वाहनों की जांच की जा रही है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ वार्ता विफल होने के बाद किसानों ने बुधवार को चंडीगढ़ कूच का ऐलान किया था। हालांकि इससे पहले ही पंजाब पुलिस ने मंगलवार को किसान नेता बलबीर सिंह राजेवाल, जोगिंद्र सिंह उगराहां समेत सैकड़ों किसानों को हिरासत में ले लिया। पंजाब में किसान नेताओं की गिरफ्तारी को लेकर राजनीति भी गरमा गई है। बुधवार तड़के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद चरणजीत सिंह चन्नी किसान नेताओं से मुलाकात करने के लिए पुलिस थाने पहुंचे। इस बीच अकाली दल ने किसान नेताओं की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए पंजाब की भगवंत मान सरकार को घेरा है।

इस बीच चंडीगढ़ प्रशासन ने अधिकारिक जानकारी जारी करते हुए कहा कि चंडीगढ़ में किसानों को कहीं भी धरने व प्रदर्शन की मंजूरी नहीं दी गई है। चंडीगढ़ पुलिस ने पंजाब व हरियाणा पुलिस के साथ मिलकर चंडीगढ़ में आने वाले सभी 12 रास्तों को सील कर दिया है। वाहनों की सघन जांच की जा रही है।

## भारत-नेपाल सीमा पर यूक्रेनी नागरिक गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। भारत के रास्ते नेपाल में प्रवेश के दौरान भारत-नेपाल सीमा पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) 47 वीं बटालियन के जवानो ने एक यूक्रेनी नागरिक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए नागरिक का नाम बोरी बॉडरेंको है, जिसकी भारतीय वीजा की वैधता समाप्त हो चुकी थी।

सीमा पर जांच के दौरान जब एसएसबी के जवानों ने उनके पासपोर्ट और वीजा की जांच की, तो वीजा एक्सपायर पाया गया। इसके बाद एसएसबी ने बोरी बॉडरेंको को हरैया थाना को सौंप दिया। पूछताछ के दौरान यूक्रेनी नागरिक ने बताया कि वह नेपाल घूमने और करेंसी बदलने आया था। उसने बताया कि वह पश्चिम बंगाल के मायापुर में भक्ति सिद्धान्त सरस्वती रोड स्थित नीनांचल भवन में रह रहा था। उसने बताया कि वह नेपाल घूमने के साथ-साथ अपने मोबाइल नेटवर्क को नेपाली सिम से जोड़कर यूक्रेनी करेंसी को भारतीय करेंसी में बदलने की योजना बना रहा था।

## लाव-लश्कर के साथ विपश्यना करने पंजाब पहुंचे केजरीवाल

**आलोक पाण्डेय**

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की 10 दिवसीय विपश्यना साधना शुरू हो गई है, जो 15 मार्च को खत्म होगी। वह 4 मार्च को गाड़ियों के काफिले के साथ पंजाब के होशियारपुर से 11 किलोमीटर दूर स्थित आनंदगढ़ में धम्म धजा विपश्यना केंद्र पहुंचे। उनके काफिले में तीन दर्जन से अधिक गाड़ियां और सुरक्षा के लिए पंजाब पुलिस के 100 जवानों को तैनात किया गया है। इसको लेकर भाजपा और कांग्रेस ने कजेरीवाल पर निशाना साधा है।

भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने मीडियाकर्मियों से कहा कि दिल्ली के शीश महल के तानाशाह एवं लूट के शहंशाह केजरीवाल पंजाब को लुटाने के षड्यंत्र के साथ राज्य में पूरा 'लूटू टोला' लेकर बैठ गए हैं।

भगवंत मान जवाब दें आखिर किस हैसियत से केजरीवाल, जो न की विधायक हैं न सांसद, ऐसे व्यक्ति के लिए पंजाब सरकार ने होशियारपुर में 100 गाड़ियों का काफिला कैसे लगवा दिया?

क्या सरकार बचाने के लिए भगवंत मान इतना नीचे गिर जाएंगे कि पंजाब के संसाधनों को एक व्यक्ति की खातिरदारी में उड़ा देंगे?

सत्ता के भोगी केजरीवाल अपनी विलासिता में इतना डूब चुके हैं कि उन्हें सत्ता में न होते हुए भी पूरा वीवीआईपी ट्रीटमेंट चाहिए और वो भी तब जब वो विपश्यना के लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली तो बस झांकी थी पंजाब में भी झाड़ू साफ होगी।

दिल्ली के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सवाल उठाया कि पंजाब के टैक्सपेयर्स के पैसे का इस्तेमाल केजरीवाल की विपश्यना के लिए क्यों किया जा रहा है? सिरसा ने एक्स पर लिखा कि केजरीवाल कभी वैगनआर में एक आम आदमी होने का दिखावा करते थे, अब बुलेटप्रूफ लैंड क्रूजर, 100 से अधिक पंजाब पुलिस कमांडो, जैमर और एम्बुलेंस के एक भव्य काफिले में वीआईपी महाराजा की तरह चलते हैं। वह भी विपश्यना के लिए, जो शांति के लिए एकांतवास होता है।

कांग्रेस भी केजरीवाल पर हमलावर है। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने तंज कसते हुए कहा कि शायद केजरीवाल दिल्ली विधानसभा चुनावों में हार नहीं पचा पाए। तिवारी ने कहा कि वह शांति की तलाश और अपने स्वास्थ्य के लिए विपश्यना कर रहे हैं। जीत और हार राजनीति का हिस्सा है। अगर आप 100 कारों के काफिले के साथ यात्रा करते हैं, कांग्रेस की आलोचना सही है। कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने कहा कि केजरीवाल सत्ता के इतने आदी हो गए हैं कि वे इससे बाहर नहीं आ पा रहे हैं। दिल्ली में हार गए, फिर भी उन्होंने यह भ्रम नहीं छोड़ा कि वह किसी तरह के राजा या सम्राट हैं।

Page-02_Layout 1 3/5/2025 11:13 PM Page 1

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता बुधवार को जीटीबी अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण भी किया।

## रेखा गुप्ता ने शालीमार बाग के लोगों की समस्याएं सुनीं, अधिकारियों को निराकरण के निर्देश

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज शालीमार बाग के बीडब्ल्यू ब्लॉक में दिल्ली जल बोर्ड, दिल्ली नगर निगम और दिल्ली विकास प्राधिकरण के अधिकारियों संग निरीक्षण कर जनता की समस्याएं सुनीं और त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार नागरिक सुविधाओं में सुधार के लिए प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पत्रकारों से कहा कि पिछली सरकार की पीने के पानी, पेड़ों की छंटाई और टूटी सड़कों से संबंधित तमाम समस्याएं लंबित थीं। आज जिन इलाकों का दौरा किया, वहां सबसे बड़ी समस्या पानी की है। बुजुर्गों को पेड़ों की छंटाई जैसे समस्याओं को लेकर दुखी होना पड़ता है। इन समस्याओं से मुक्ति पाने के का समय अब आ गया है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में लावारिस कुत्तों की बड़ी समस्या है। पिछली सरकार ने इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। भाजपा सरकार इस पर विशेषज्ञों से राय लेगी। सरकार इस समस्या पर ऐसे काम करेगी कि पशु अधिकारों पर कोई समस्या न हो और दिल्लीवालों को भी इस समस्या से मुक्ति मिल जाएंगी।

# दिल्ली को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए कदम उठा रही है सरकार : सिरसा

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली सरकार दिल्ली को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। इसी कड़ी में दिल्ली खाद्य आपूर्ति एवं पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बुधवार को राजौरी गार्डन विधानसभा क्षेत्र में बुधवार विभिन्न गलियों और बरसाती नालों के नवीनीकरण एवं सौंदर्यीकरण कार्यों का शुभारंभ किया।

मंत्री ने हरिमंदिर चांद नगर, गुरु नानक डेरी, श्याम नगर एक्सटेंशन में जल बोर्ड की नई पाइपलाइन डालने के कार्य का शुभारम्भ किया। इस अवसर उन्होंने कहा कि इन पाइपलाइनों के डालने से साफ पानी अच्छे दबाव से आएगा।

मंत्री ने गंगा राम वाटिका पार्क के नवीनीकरण और सौंदर्यीकरण कार्य का शुभारंभ किया। साथ ही जेजे कॉलोनी चौखंडी में बरसाती नालों के नवीनीकरण कार्य का शुभारम्भ किया। बरसात शुरू होने से पहले इसके नवीनीकरण से बरसात के समय में होने वाली जलभराव की समस्या से निजात मिलेगी। बी ब्लॉक डीडीए कॉलोनी चौखंडी, मद्दी वाली गली नंबर 2, विष्णु गार्डन और एन ब्लॉक विष्णु गार्डन में भी गलियों के नवीनीकरण कार्य का शुभारम्भ किया। विकास कार्य होने से क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने और स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सिरसा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सुशासन नीति पर चलते हुए, हम दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनाने के लिए निरंतर कार्यरत हैं। स्थानीय निवासियों और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में आयोजित इस कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों ने सरकार के इस कदम की सराहना की और विकास कार्यों के प्रति अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।

## प्रोमोडोम कम्युनिकेशंस ने दिल्ली चुनाव 2025 के लिए एक प्रभावी विज्ञापन अभियान के साथ भाजपा की जीत की कहानी को आगे बढ़ाया

**दिव्य भारत संवाददाता**

नई दिल्ली। दस वर्षों से अधिक समय से विभिन्न राज्यों में राजनीतिक अभियानों का सफलतापूर्वक प्रबंधन करते हुए, प्रोमोडोम ने एक बार फिर दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में भाजपा के लिए परिणाम-संचालित और प्रभावशाली विज्ञापन अभियान चलाकर अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया है। बेहतर योजना और रणनीति के साथ, प्रोमोडोम ने बीजेपी के संदेश को अधिकतम पहुंच, सहभागिता और प्रभाव सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अभियान की सफलता के लिए प्रोमोडोम ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए भाजपा के दृष्टिकोण के लिए एक लक्षित और उच्च-प्रभाव अभियान तैयार किया और उसे क्रियान्वित किया। साथ ही रणनीतिक मीडिया प्लेसमेंट के माध्यम से बजट का अनुकूलन करते हुए अधिकतम दृश्यता और पहुंच सुनिश्चित की, एवं कई प्लेटफार्मों पर एक सहज और समन्वित रोलआउट, मतदाताओं के साथ भाजपा की पहुंच और जुड़ाव को मजबूत किया ।प्रोमोडोम समूह के मीडिया प्रमुख, जे.सी. सरकार और उनकी अत्यधिक प्रतिबद्ध टीम के नेतृत्व ने, अभियान को सटीकता और उत्कृष्टता के साथ क्रियान्वित किया। 24/7 संचालन करते हुए, प्रोमोडोम टीम ने चुनाव के दिन तक सुचारू निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए भाजपा अधिकारियों के साथ घनिष्ठ समन्वय में काम किया। तथा आकर्षक, प्रभावशाली और गतिशील सामग्री प्रदान किया जो मतदाताओं के साथ प्रतिध्वनित हुआ और विकसित अभियान आवश्यकताओं के अनुकूल किया। अभियान की सफलता पर बोलते हुए प्रोमोडोम ग्रुप के संस्थापक और अध्यक्ष संदीप कपूर ने कहा, रहमें भाजपा के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे सहयोग को जारी रखने और एक और सफल चुनाव अभियान में योगदान देने पर गर्व है। हमारी टीम के अथक प्रयासों, रणनीतिक योजना और निष्पादन उत्कृष्टता ने एक बार फिर परिणाम दिए हैं और हम भाजपा के उनके निरंतर समर्थन के लिए आभारी हैं। इस उपलब्धि के साथ, प्रोमोडोम ने राजनीतिक विज्ञापन में एक पावरहाउस के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत किया है, जिससे देश भर में उच्च प्रभाव वाले अभियान देने की इसकी विरासत को और बढ़ावा मिला है।

# दिल्ली में बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे वाहनों के खिलाफ चलाया जाएगा सघन अभियान : पंकज सिंह

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बुधवार को परिवहन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस बैठक के दौरान मंत्री ने दिल्ली की सड़कों पर बेहतर यातायात प्रबंधन के लिए बिना रजिस्ट्रेशन वाले वाहनों के खिलाफ सख्त अभियान चलाने के निर्देश दिए। इस बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव (परिवहन), दिल्ली मेट्रो के प्रबंध निदेशक तथा परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

मंत्री ने सार्वजनिक परिवहन के साथ कमर्शियल वाहनों की लाइव ट्रैकिंग प्रणाली की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए लाइव ट्रैकिंग को प्रभावी रूप से लागू करना आवश्यक है। दिल्ली सचिवालय में आयोजित इस बैठक के दौरान अधिकारियों ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से मंत्री को ई-चालान प्रणाली, पुराने वाहनों को हटाने, एआई तकनीक के उपयोग और इलेक्ट्रिक वाहन नीति के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों से अवगत कराया।

मंत्री ने दिल्ली की सड़कों पर वाहनों के अतिक्रमण को रोकने के लिए सख्त अभियान चलाने का निर्देश देते हुए कहा कि हमारा लक्ष्य 'विकसित दिल्ली' का निर्माण करना है, जिसके लिए अगले 100 दिनों के रोडमैप पर कार्य किया जाएगा। उन्होंने परिवहन विभाग के एनफोर्समेंट विंग में दिल्ली में जाम की समस्या को देखते हुए वाहनों के चेकिंग के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों को सड़कों पर उतारने का निर्देश दिया।

बैठक में ई-चालान प्रक्रिया की समीक्षा करते हुए उन्होंने बिना वैध फिटनेस प्रमाणपत्र के सड़कों पर चल रहे पेट्रोल, डीजल, एवं सीएनजी वाहनों पर नियमों के आधार पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, ऐसे पेट्रोल पंप संचालकों पर भी कार्रवाई करने को कहा जो इन अनफिट वाहनों को ईंधन देते हैं। मंत्री ने कहा कि यह बात संज्ञान में आई है कि भारी वाहनों द्वारा स्लिप रोड का उपयोग किया जाता है, जिनपर भारी वाहनों का संचालन प्रतिबंधित है। इस विषय पर मंत्री ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे ट्रक चालकों पर सख्त कार्रवाई आवश्यक है।

इसके अतिरिक्त दिल्ली के परिवहन मंत्री ने डीटीआईडीसी के प्रभावी वित्तीय प्रबंधन की सराहना की। उन्होंने अधिकारियों को इलेक्ट्रिक वाहन नीति के लक्ष्यों की समीक्षा कर अप्रैल 2025 से लागू होने वाली नई नीति पर पुनः कार्य करने का निर्देश दिया। मंत्री ने मुकुंदपुर से मौजपुर, आरके आश्रम से जनकपुरी पश्चिम और एरोसिटी से तुगलकाबाद तक नई मेट्रो लाइनों की प्रगति की भी समीक्षा की और इनके शीघ्र पूरा होने पर जोर दिया।

## आज का राशिफल

**मेष राशि**-मान-प्रतिष्ठा बाल-बाल बचे, कार्य व्यवसाय गति उत्तम होगी, हर्ष होगा।

**वृष राशि**-धन हानि के योग बनेंगे, नवीन मैत्री-मंत्रणा अवश्य ही प्राप्त होगी।

**मिथुन राशि**-इष्ट मित्र सहायक रहेंगे, व्यवसायिक क्षमता में वृद्धि होगी, कार्य अवश्य होंगे।

**कर्क राशि**-भाग्य का सितारा प्रबल होगा, बिगड़े कार्य अवश्य ही बनेंगे ध्यान दें।

**सिंह राशि**-इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, कुटुम्ब की समस्यायें सुलझेंगे, समय का ध्यान रखें।

**कन्या राशि**-भावनायें संवेदनशील रहें तथा रुके कार्य बनेंगे, सोचे कार्यों पर ध्यान दें।

**तुला राशि**-समय अनुकूल नहीं स्वास्थ्य का ध्यान रखें, विरोधी तत्व परेशान करेंगे।

**वृश्चिक राशि**-स्त्री शरीर कष्ट, मानसिक बेचैनी, मन में उद्विघ्नता अवश्य ही बनेगी।

**धनु राशि**-आशानुकूल सफलता, स्थिति में सुधार तथा व्यवसाय गति उत्तम होगी।

**मकर राशि**-धन का व्यर्थ व्यय होगा, मानसिक उद्विघ्नता हानिप्रद होगी ध्यान रखें।

**कुंभ राशि**-इष्ट मित्रों से सहयोग, कार्य बनेंगे, कार्यगति अनुकूल अवश्य होगी।

**मीन राशि**-भाग्य का सितारा प्रबल होगा, कार्य अवश्य बनेंगे ध्यान दें।

**-अम्बुजा तिवारी**

# यमुना की स्वच्छता के लिए भाजपा की डबल इंजन सरकार संकल्पबद्ध : प्रवेश वर्मा

नई दिल्ली, (हि.स.)। दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा कि यमुना की स्वच्छता के लिए भाजपा की डबल इंजन सरकार संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा की डबल इंजन सरकार यमुना कीसफाईके लिए ठोस रोडमैप और एक्शन प्लान के साथ जमीन पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में भाजपा की जीत के तुरंत बाद हमने यमुना की सफाई पर तेजी से काम शुरू किया, जिसका नतीजा है कि अब तक 1300 मीट्रिक टन कचरा यमुना से निकाला जा चुका है।

दिल्ली के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने बुधवार को नाव से सिग्नेचर ब्रिज से आईटीओ छठ घाट और ओखला बैराज तक यमुना की सफाई का निरीक्षण किया। बाद में आईटीओ के निकट यमुना तट पर उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पिछले 10 सालों में यमुना की सफाई पर कोई ठोस कार्य नहीं हुआ, बल्कि गंदगी दोगुनी हो गई। तत्कालीन आम आदमी पार्टी सरकार ने यमुना सफाई के नाम पर सिर्फ झूठ फैलाया और भ्रष्टाचार किया।

वर्मा ने कहा कि दिल्ली भाजपा सरकार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से यमुना को साबरमती रिवर फ्रंट की तर्ज पर साफ और सुंदर बनाने का संकल्प लिया है। प्रधानमंत्री यमुना सफाई अभियान पर लगातार नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा यमुना रिवर फ्रंट विकसित करने का कार्य भी शुरू हो चुका है। मैं दिल्लीवासियों से अपील करता हूं कि यमुना में गंदगी डालने से बचें और इस पवित्र अभियान में अपना सहयोग दें। उन्होंने दिल्ली वालों से यमुना को निर्मल बनाने में योगदान करने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में सभी नालों को एसटीपी से जोड़ा जाएगा और उनकी क्षमता बढ़ाई जाएगी। औद्योगिक क्षेत्रों में सीटीपी लगाए जाएंगे ताकि केमिकल कचरे का सही निपटान हो। साथ ही, बारिश के समय में बाढ़ की समस्या से निपटने के लिए आईटीओ गेट्स की मरम्मत और सुरक्षा दीवारों की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। मैं दिल्लीवासियों को आश्वस्त करता हूं कि अब दिल्ली में बाढ़ की स्थिति नहीं बनेगी।

## मालीवाल ने केजरीवाल पर कसा तंज

नई दिल्ली, (हि.स.)। राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल ने बुधवार को आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल का काफिला ट्रंप से भी बड़ा है। मालीवाल ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया है। उन्होंने कहा कि जिस पंजाब की जनता ने इतना प्यार दिया उससे इतना डर लगता है केजरीवाल को सारी दुनिया को वीआईपी कल्चर पर टोकने वाले केजरीवाल आज खुद डोनाल्ड ट्रंप से बड़ा सुरक्षा घेरा लेकर घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि केजरीवाल ने पंजाब जैसे महान सूबे को अपने ऐश-ओ- आराम के साधन का जरिया बना लिया है। उल्लेखनीय है कि केजरीवाल मंगलवार को विपश्यना के लिए पत्नी सुनीता के साथ पंजाब के होशियारपुर पहुंचे। वह आनंदगढ़ गांव में स्थित धम्म धजा विपश्यना केंद्र में 10 दिन तक रहेंगे।

## सूडोकु नवताल- 7361

कठिन

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 5 | | | 3 | | | |
| | 2 | | | 9 | 5 | | | |
| 9 | | | | | | 6 | | |
| | | | | | | | 3 | 5 |
| | 6 | | | | | | 7 | |
| 4 | 8 | | | | | | | |
| | | 7 | | | | | | 3 |
| | | | 2 | 4 | | | 9 | |
| | | | 8 | | | 2 | | |

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल -7360 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 4 | 2 | 5 | 8 | 6 | 1 | 9 | 7 | 3 |
| 7 | 3 | 1 | 9 | 4 | 2 | 8 | 5 | 6 |
| 6 | 9 | 8 | 7 | 3 | 5 | 4 | 2 | 1 |
| 1 | 6 | 2 | 3 | 8 | 9 | 5 | 4 | 7 |
| 9 | 4 | 3 | 5 | 1 | 7 | 6 | 8 | 2 |
| 8 | 5 | 7 | 4 | 2 | 6 | 3 | 1 | 9 |
| 2 | 1 | 9 | 6 | 5 | 8 | 7 | 3 | 4 |
| 5 | 7 | 4 | 1 | 9 | 3 | 2 | 6 | 8 |
| 3 | 8 | 6 | 2 | 7 | 4 | 1 | 9 | 5 |

## दैनिक पंचांग

**6 मार्च 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

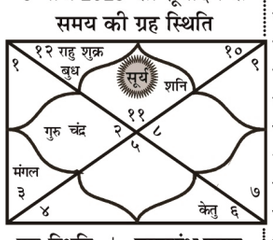


| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | कुंभ में | मीन | 06.47 बजे से |
| चंद्र | वृष में | मेष | 08.17 बजे से |
| मंगल | मिथुन में | वृष | 09.57 बजे से |
| बुध | मीन में | मिथुन | 11.55 बजे से |
| गुरु | वृष में | कर्क | 14.09 बजे से |
| शुक्र | मीन में | सिंह | 16.25 बजे से |
| शनि | कुंभ में | कन्या | 18.37 बजे से |
| राहु | मीन में | तुला | 20.47 बजे से |
| केतु | कन्या में | वृश्चिक | 23.02 ब.से |
| राहुकाल | 1.30 से 3.00 बजे तक | धनु | 01.18 बजे से |
| | | मकर | 03.23 बजे से |
| | | कुंभ | 05.10 बजे से |

**गुरुवार** 2025 वर्ष का 65 वा दिन
**दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** शिशिर।
**विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946
**मास** फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** सप्तमी 10.51 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** रोहिणी 00.06 बजे रात्र को समाप्त।
**योग** विष्कुम्भ 20.29 बजे को समाप्त।
**करण** वणिज 10.51 बजे तदनन्तर विष्टि 22.02 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 06.0 घण्टे
**रवि क्रान्ति** दक्षिण 05° 39'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1872275
**जूलियन दिन** 2460740.5
**कलियुग संवत्** 5125
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2551
**हिजरी सन्** 1446
**महीना** रमजान **तारीख** 05
**विशेष** रोहिणी व्रत।

| दिन का चौघड़िया | | | | रात का चौघड़िया | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| शुभ | 05.54 | से 07.22 | बजे तक | अमृत | 05.40 | से 07.11 | बजे तक |
| रोग | 07.22 | से 08.51 | बजे तक | चर | 07.11 | से 08.43 | बजे तक |
| उद्वेग | 08.51 | से 10.19 | बजे तक | रोग | 08.43 | से 10.15 | बजे तक |
| चर | 10.19 | से 11.47 | बजे तक | काल | 10.15 | से 11.47 | बजे तक |
| लाभ | 11.47 | से 01.15 | बजे तक | लाभ | 11.47 | से 01.19 | बजे तक |
| अमृत | 01.15 | से 02.43 | बजे तक | उद्वेग | 01.19 | से 02.51 | बजे तक |
| काल | 02.43 | से 04.11 | बजे तक | शुभ | 02.51 | से 04.23 | बजे तक |
| शुभ | 04.11 | से 05.40 | बजे तक | अमृत | 04.23 | से 05.55 | बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

## शब्द पहेली - 8423

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ■ | 1 | | 2 | ■ | 3 | | | 4 |
| 5 | | ■ | 6 | | | ■ | ■ | |
| | ■ | 7 | | ■ | 8 | 9 | ■ | |
| 10 | 11 | | | | ■ | 12 | 13 | |
| ■ | | ■ | | ■ | 14 | ■ | | ■ |
| 15 | | 16 | ■ | 17 | | 18 | | 19 |
| | ■ | 20 | 21 | ■ | 22 | | ■ | |
| | ■ | ■ | 23 | | | ■ | 24 | |
| 25 | | | | ■ | 26 | | | ■ |

**बाएँ से दाएँ**

1. ईश वंदना-3
3. हाथ की तीसरी अंगुली-4
5. आगमन-2
6. स्वादिष्ट-3
7. हरसिंगार, पारिजात-2
8. क्रिकेट में बनते हैं-2
10. खौलना, उबलना-5
12. धनवान-3
15. खोदना-3
17. चुनाव, चयन-5
20. नसीब (अंग्रेजी-2)
22. कलर-2
23. रक्षक, संकटमोचक-3
24. कार्य, काज-2
25. सुंघनी, नस-4
26. पुराना जुकाम-3

**ऊपर से नीचे**

1. रुपए का सोलहवां भाग-2
2. कुलबुलाना, तड़पना-5
3. जो कभी बूढ़ा न हो-3
4. बंदूक की गोली-4
5. अभिलेख, लेख-3
7. रात, रात्रि (उर्दू-2)
9. मादा का विलोम-2
11. धुन, लगाव-3
13. चरित्र, नीयत-3
14. तफरीह-5
15. अनाज रखने की जगह-4
16. टोंटी, नलका-2
18. बहुमूल्य रत्न-2
19. अनाथ, बेसहारा-3
21. डोली उठाने वाले-3
24. सफेद का विलोम -2

**शब्द पहेली -8422 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| झ | न्डा | ■ | ते | ■ | प | ■ | श | क |
| र | ■ | दा | ल | ■ | री | ता | ■ | ल |
| ना | खु | दा | ■ | पा | ■ | रा | इ | मा |
| ■ | श | ■ | अ | ला | वा | ■ | न्द्र | ■ |
| ब | ग | दा | द | ■ | स | म | ध | न |
| ■ | वा | ■ | द | ल | ना | ■ | नु | ■ |
| ग | र | म | ■ | क्ष | ■ | ऋ | ष | भ |
| र | ■ | स्त | र | ■ | कृ | षि | ■ | ला |
| ल | ब | ■ | क्षा | ■ | मि | ■ | ता | ई |

Jagrutidaur.com, Bangalore

सिग्नेचर ब्रिज से आईटीओ छठ घाट तक अधिकारियों के साथ यमुना की सफाई अभियान का निरीक्षण करते दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह।

Page-03_Layout 1 3/5/2025 11:14 PM Page 1

बिहार विधानमंडल में बजट सत्र के चौथे दिन विधानसभा के सामने से गुजरते सुरक्षाकर्मी

# आईआरएफसी अब रेलवे के बुनियादी ढांचा विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा : मनोज दुबे

नई दिल्ली, (हि.स.)। केंद्र सरकार से हाल ही में नवरत्न का दर्जा प्राप्त करने वाली भारतीय रेलवे वित्त निगम (आईआरएफसी) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मनोज कुमार दुबे ने बुधवार को कहा कि आईआरएफसी अब भारतीय रेलवे के बुनियादी ढांचे के विकास और आधुनिकीकरण के लिए संसाधन जुटाने में और भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

आईआरएफसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मनोज कुमार दुबे ने यहां एक प्रेस मीट में कहा कि नवरत्न का दर्जा प्राप्त करना आईआरएफसी की वित्तीय शक्ति और भारत के रेलवे बुनियादी ढांचे को समर्थन देने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह मान्यता हमें अपनी क्षमताओं का और अधिक विस्तार करने और राष्ट्र के विकास में अधिक सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित करती है।

सीएमडी ने कहा कि हम पूंजी-गहन रेलवे परियोजनाओं के लिए सबसे किफायती वित्तीय समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। संपूर्ण रेलवे इकोसिस्टम पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) में वृद्धि के दौर से गुजर रहा है, जो दुनिया की सबसे बड़ी आबादी की माल और यात्री आवाजाही की मांग को पूरा कर रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे भारत अमृतकाल में 10 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, आईआरएफसी बुनियादी ढांचे के विकास और आधुनिकीकरण के लिए संसाधन जुटाने में और भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उन्होंने कहा कि रेलवे परिसंपत्तियों के वित्तपोषण से आगे बढ़ते हुए आईआरएफसी अब उन क्षेत्रों में भी निवेश के अवसर तलाश रहा है, जो रेलवे से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हैं। इसमें बिजली उत्पादन और ट्रांसमिशन, खनन, ईंधन, कोयला, वेयरहाउसिंग, टेलीकॉम, होटल एवं कैटरिंग आदि शामिल हैं। कंपनी ने एनटीपीसी के लिए 20 बीओबीआर रेक्स की 700 करोड़ रुपये की फंडिंग का समझौता किया है और हाल ही में एनटीपीसी लिमिटेड की सहायक कंपनी, पत्रतु विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (पीवीयूएनएल) को 3,190 करोड़ रुपये के ऋण की फंडिंग के लिए सबसे कम बोलीदाता घोषित किया गया है। इसके अलावा, एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनटीपीसी जीईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एनटीपीसी आरईएल) ने अपने अनुरोध प्रस्ताव के तहत रुपये टर्म लोन (आरटीएल) के लिए 7,500 करोड़ रुपये के वित्तपोषण के लिए आईआरएफसी की बोली स्वीकार की है। आईआरएफसी भारतीय रेलवे के रोलिंग स्टॉक, कंटेनर ट्रेन ऑपरेटरों, रेलवे की नवीकरणीय ऊर्जा आवश्यकताओं, मेट्रो रेल परियोजनाओं, बंदरगाह रेल कनेक्टिविटी और पीपीपीपरियोजनाओं के वित्त पोषण के लिए भी सक्रिय रूप से काम कर रही है।

# राजीव गांधी दो बार फेल हुए फिर भी प्रधानमंत्री बने, मणिशंकर अय्यर की टिप्पणी से उपजा विवाद

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर से बातचीत के एक वीडियो ने आज सियासी हलके में तूफान मचा दिया। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने इसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा कर दिया, जिसके बाद यह बवाल कुछ ज्यादा ही बढ़ गया। आज दिनभर भाजपा नेता जहां इसे ट्रोल करते दिखे वहीं कांग्रेस के नेता इसके बचाव में उतर आए। हालांकि यह वीडियो कब और कहां का है, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है।

इस वीडियो में मणिशंकर अय्यर सामने बैठे युवक से कह रहे हैं, राजीव जब प्रधानमंत्री बने तो मैंने सोचा कि वो एयरलाइन पायलट है। दो बार फेल हो चुके थे। मैं उसके साथ कैम्ब्रिज में पढ़ा। वहां वे फेल हो चुके। कैम्ब्रिज में फेल होना बहुत मुश्किल है। वहां फर्स्ट क्लास में पास होना आसान है। क्योंकि कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी अपनी छवि बरकरार रखने के लिए कोशिश करती है कि सभी कम से कम पास हो जाएं। इसके बावजूद राजीव फेल हो गए। फिर वो लंदन के इम्पीरियल कालेज गए लेकिन वहां भी वो दोबारा फेल हो गए। इसके मद्देनजर मैंने सोचा कि इस तरह के आदमी को क्या प्रधानमंत्री बनना है।

भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने एक्स पर वीडियो साक्षात्कार की क्लिप शेयर की और लिखा, राजीव गांधी को अकादमिक रूप से संघर्ष करना पड़ा, यहां तक कि कैम्ब्रिज में भी फेल हो गए, जहां पास होना अपेक्षाकृत आसान है। इसके बाद वे इंपीरियल कॉलेज लंदन चले गए, लेकिन वहां भी फेल हो गए... कई लोगों ने सवाल उठाया कि उनके अकादमिक रिकॉर्ड वाला कोई व्यक्ति प्रधानमंत्री कैसे बन सकता है। पर्दा हटा दिया जाए।

गौरतलब है कि मणिशंकर अय्यर ने राजीव गांधी के बारे में दि राजीव आई न्यू नामक पुस्तक भी लिखी है। इसलिए उनके द्वारा की गई इस टिप्पणी (वीडियो) को लेकर सियासी गलियारे में चर्चा कुछ ज्यादा ही जोर पकड़ गई। हालांकि, अमित मालवीय द्वारा शेयर किए गए इस वीडियो में मणिशंकर की ओर से की गई टिप्पणियों को कांग्रेस ने अप्रासंगिक बताते हुए खारिज कर दिया और पूर्व प्रधानमंत्री का भारत के शीर्ष नेताओं में से एक के रूप में बचाव किया। कांग्रेस नेताओं ने अय्यर को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि उनकी पार्टी में कोई प्रासंगिकता नहीं है। वह किसी महत्वपूर्ण पद पर नहीं हैं। इसलिए उनके बयान पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत नहीं है।

कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने कहा कि इस वीडियो में कितना सही है और कितना गलत, यह तो मणिशंकर ही बता सकते हैं, लेकिन सवाल यह नहीं है कि राजीव गांधी पास हुए या फेल। अगर राजीव का विश्लेषण करना है तो आपको उनके काम का विश्लेषण करना होगा...भाजपा वाले तो पीएम की डिग्री दिखाने को भी तैयार नहीं हैं।

पीएम खुद कहते हैं कि वह चाय बेचते थे, लेकिन हम उन्हें उनकी पढ़ाई की वजह से नहीं देखते। प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री कभी कैम्ब्रिज नहीं गए लेकिन वह एक काबिल प्रधानमंत्री थे। इसलिए राजीव गांधी एक काबिल प्रधानमंत्री थे। उन्होंने देश को बहुत कुछ दिया है।

कांग्रेस सांसद कुंवर दानिश अली ने कहा कि राजीव गांधी को देश में आईटी क्रांति और आधुनिकीकरण लाने के लिए याद किया जाता है। उन्होंने पंचायती राज व्यवस्था की भी शुरूआत की थी।

तारिक अनवर ने कहा कि असफल होना कोई बड़ी बात नहीं है लेकिन राजीव गांधी राजनीति में असफल नहीं हुए। जब उन्हें राजनीतिक जिम्मेदारी दी गई और वे प्रधानमंत्री बने, तो मेरा मानना है कि हमारे देश में बहुत कम प्रधानमंत्री हुए हैं, जिन्होंने सिर्फ पांच साल में इतनी उपलब्धियां हासिल की हैं।

हरीश रावत ने कहा कि मैं ऐसे व्यक्ति (अय्यर) पर टिप्पणी नहीं करना चाहता, जो कुंठित व्यक्ति है...मैं राजीव गांधी को जानता था, जिन्होंने देश को आधुनिक नजरिया दिया। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पार्टी (कांग्रेस) का एक वर्ग उनके साथ खड़ा नहीं हुआ, वरना देश का इतिहास कुछ और होता।

फिरोजाबाद में हादसा,बस और ट्रक की टक्कर, प्रयागराज से मथुरा जा रहे पश्चिम बंगाल के 20 यात्री घायल।

# गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय में अचानक पहुंचे पाकिस्तान के पूर्व मुख्य न्यायाधीश खलीलुर्रहमान

हरिद्वार, (हि.स.)। शहीद भगत सिंह को दी गई फांसी के लिए लाहौर (वर्तमान पाकिस्तान) हाईकोर्ट में चले मुकदमे के ट्रायल दस्तावेजों को गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराने वाले पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रहे खलीलउर्रहमान रामदे बुधवार को गुरुकुल कांगड़ी पहुंचे। जहां रामदे ने पाकिस्तान से आकर बसे लक्ष्मण शर्मा से मुलाकात की।

रामदे देहरादून में एक प्राइवेट शिक्षण संस्थान के कार्यक्रम में शिरकत करने आए थे। वहां से लौटते हुए वह 2012 में पाकिस्तान से आकर गुरुकुल कांगड़ी में रह रहे लक्ष्मण शर्मा के निवास पर पहुंचे। रामदे ने बताया कि वह लक्ष्मण शर्मा की पत्नी रेती देवी को पुत्रीवत ही मानते हैं। गुरुकुल के सुरम्य वातावरण को देखकर रामदे ने कहा कि विश्व में ऐसी शिक्षा संस्था और कहीं नहीं है। यहां की शिक्षा व्यवस्था और छात्रों के शोध कार्य पर प्रसन्नता व्यक्त की। कहा कि यह संस्थान स्वामी श्रद्धानंद जी महाराज के समय से ही देश दुनिया को प्रेरणा देता आया है।

उन्होंने शहीद भगत सिंह के बलिदान पर कहा कि भगत सिंह भारत के ही नहीं वे तो तत्कालीन संपूर्ण हिंदुस्तान के नायक थे। जिन्होंने अपने बलिदान से भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में नई जान फूँक दी थी।वर्तमान भारत के साथ ही पाकिस्तान और बांग्लादेश भी भगत सिंह का हमेशा ऋणी रहेगा।

गौरतलब है कि सरदार भगत सिंह को फांसी की सजा लाहौर हाई कोर्ट ने सुनाई थी। उनके मुकदमे से जुड़े सारे दस्तावेज पाकिस्तान से तब के सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश खलीलुर्रहमान रामदे ने गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय को उपलब्ध कराए थे, जो आज गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय के पुरातत्व संग्रहालय में उपलब्ध हैं। यह दस्तावेज उर्दू व अंग्रेजी में थे। इनका हिंदी में अनुवाद करने के लिए रामदे ने पाकिस्तान से लक्ष्मण शर्मा को गुरुकुल कांगड़ी भेजा था, जो पाकिस्तान वापस न जाकर गुरुकुल कांगड़ी में ही बस गए। उन्हीं के परिवार से मिलने आज रामदे गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय परिसर पहुंचे।

# क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में हिंदी के उत्थान पर हुआ मंथन, कई विभाग व संस्थाएं सम्मानित

गुवाहाटी, (हि.स.)। गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग की ओर से आयोजित पूर्व एवं पूर्वोत्तर क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार, सरकारी कामकाज में इसकी बढ़ती उपयोगिता और तकनीकी नवाचारों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन में हिंदी के प्रचार-प्रसार में उत्कृष्ट योगदान के लिए कई विभागों व बैंका को राजभाषा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बुधवार को नगर के मेफेयर स्प्रिंग वैली रिसॉर्ट में संपन्न सम्मेलन व पुरस्कार वितरण समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने की, जबकि असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान और दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इसके बाद राजभाषा विभाग की सचिव अंशुली आर्या ने स्वागत भाषण दिया, जिसमें उन्होंने हिंदी भाषा के तकनीकी विकास और भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हिंदी सहित भारतीय भाषाओं को वैश्विक मंच पर पहचान मिली है।

इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने हिंदी को सिर्फ राजभाषा ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय एकता का सूत्र बताया। उन्होंने कहा कि सरकार राजभाषा हिंदी को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने हिंदी भाषा के उत्थान के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की चर्चा की, जिसमें वर्ष 2018 में कंठस्थ अनुवाद टूल का लोकार्पण, 2020 में नई शिक्षा नीति में मातृभाषा को विशेष महत्व, 2022 में अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन की शुरूआत, राजभाषा गौरव पुरस्कार योजना का विस्तार शामिल है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने हिंदी को भारत की आत्मा और राष्ट्रीय एकता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि असम और पूर्वोत्तर में हिंदी संपर्क भाषा के रूप में उभर रही है और क्षेत्र के उद्योगों, शिक्षण संस्थानों तथा चाय बागानों में इसका व्यापक उपयोग हो रहा है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राजभाषा विभाग की पत्रिका राजभाषा भारती के विशेषांक और बहुभाषी अनुवाद सॉफ्टवेयर कंठस्थ 3.0 के अल्फा संस्करण का विमोचन किया। उन्होंने इसे सरकारी कामकाज में हिंदी को और प्रभावी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि 14 सितंबर, 1949 को जब हिंदी को राजभाषा का दर्जा मिला था, तब इसका उद्देश्य सिर्फ सरकारी कामकाज तक सीमित नहीं था, बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक अस्मिता को एकसूत्र में पिरोने का प्रयास था। उन्होंने सभी को हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी। गुवाहाटी में संपन्न यह ऐतिहासिक सम्मेलन हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मील का पत्थर साबित होगा।

हिंदी उत्थान के लिए कई विभाग व बैंकें सम्मानित पूर्व एवं पूर्वोत्तर क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में हिंदी के प्रचार-प्रसार में उत्कृष्ट योगदान के लिए 48 सरकारी कार्यालयों, बैंकों और उपक्रमों को राजभाषा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों को प्रभावी कार्यों के लिए नराकास राजभाषा सम्मान दिया गया।पूर्व एवं पूर्वोत्तर क्षेत्रीय राजभाषा सम्मेलन में सांसद बिजुली कलिता मेधी, सांसद दिलीप सैकिया समेत कई गणमान्य मौजूद रहे। समापन अवसर पर पूर्वोत्तर भारत के लोक संगीत और नृत्य की शानदार सांस्कृतिक की प्रस्तुतियां दी गईं। संयुक्त सचिव डॉ. मीनाक्षी जौली ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन दिया और हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए सभी से मिलकर प्रयास करने का आान किया।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में पूर्व एवं पूर्वोत्तर भारत में भाषायी सौहार्द विषय पर एक विचार गोष्ठी आयोजित की गई। गौहाटी विश्वविद्यालय के प्रो. दिलीप मेधी ने कहा कि भारत की विविधता में हिंदी एकता का माध्यम है। पांडिचेरी विश्वविद्यालय की प्रो. एस पद्मप्रिय ने हिंदी को भारतीय भाषाओं का प्रतिनिधि बताते हुए कहा कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाएं एक-दूसरे की पूरक हैं, न कि प्रतिस्पर्धी। सिक्किम के वरिष्ठ साहित्यकार वीरभद्र काकीढोली ने सुझाव दिया कि ऐसे सम्मेलन सिक्किम में भी आयोजित किए जाएं।

गुवाहाटी में आयोजित यह सम्मेलन हिंदी भाषा के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक और मजबूत कदम साबित हुआ।

प्रधानमंत्री आवास योजना 'ग्रामीण' के लाभुकों को प्रथम किश्त की राशि के हस्तानांतरण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

# छत्तीसगढ़ के सुकमा में सीने में दर्द और खांसी के बाद एक माह में आठ की मौत

सुकमा, (हि.स.)। सुकमा जिले के छिंदगढ़ ब्लॉक के आश्रित ग्राम धनीकोड़ता में एक माह के अंदर दो बच्चों समेत आठ ग्रामीणों की मौत हुई है। जिला प्रशासन के द्वारा गांव में मेडिकल कैंप लगाकर बीमार ग्रामीणों का इलाज किया जा रहा है।

तीन दिनों से गांव में लगाए जा रहे मेडिकल कैंप में बुधवार को एसडीम पहुंचे और मेडिकल टीम व ग्रामीणों से इस संबंध में पूरी जानकारी ली। मेडिकल टीम द्वारा गांव घर-घर जाकर बीमार लोगों का सर्वे कर इलाज किया जा रहा है। गांव में 350 से अधिक लोगों का मेडिकल चेकअप किया जा चुका है। जिसमें से 37 मरीज हाथ ,पैर दर्द एवं बुखार से पीड़ित हैं। एक मरीज उल्टी से एवं नौ मलेरिया के मरीज सामने आए हैं। इसके अलावा चेचक के भी पांच मरीज सामने आए हैं। धनीकोड़ता गांव की जनसंख्या 620 है। स्वास्थ्य जांच के बाद मरीजों की संख्या का आंकड़ा बढ़ सकता है। महुआ का सीजन होने से घरों में लोग नहीं है। लोग सुबह जाकर देर शाम को घर वापस लौटते हैं, जिसकी वजह से मेडिकल टीम के सामने भी चुनौती है। सभी लोगों का मेडिकल चेकअप समय पर करना मुश्किल हो रहा है।

23 वर्षीय मुचाकी बुधारा पुत्र बुसका, जिनकी मौत 23 जनवरी को घर में हुई। मुचाकी सुक्का (30) व मुचाकी गंगा (25) पुत्र हिड़मा शरीर में सूजन से पीड़ित थे, जिनकी मौत 15 फरवरी को घर में हुई। माड़वी हड़मा (65 वर्ष) पुत्र देवा लंबे समय से बीमार थे, जिनकी मौत 25 फरवरी सुकमा जिला अस्पताल में हुई। महिला सोड़ी सोनी पत्नी हड़मा (38 वर्ष) ने शरीर में सूजन के कारण 28 फरवरी छिंदगढ़ अस्पताल में दम तोड़ा। मुचाकी वेल्ला (55 वर्ष) पुत्र लिंगा की पीलिया के कारण दो मार्च को जिला अस्पताल में मौत हुई। चार माह के मुचाकी मासे की एक मार्च को सांस लेने में दिक्कत के कारण घर में मौत हो गई, जबकि दस माह के मुदस माहचा की अचानक तबियत बिगड़ी और रात में ही बच्चे ने दम तोड़ दिया।

छिंदगढ़ एसडीएम विजय प्रताप खेस ने बताया कि धनीकोड़ता गांव में लगातार मौत के मामले सामने आ रहे थे, जिसको देखते हुए मेडिकल कैंप लगाया गया है। गांव में अब तक आठ लोगों की मौत हुई है। आरएमए डॉ राजेश सोनी ने बताया कि दो मार्च से मेडिकल कैंप लगाकर गांव में बीमार लोगों का इलाज किया जा रहा है, अब तक 350 से अधिक लोगों का मेडिकल चेकअप किया जा चुका है। जिसमें से नौ मलेरिया के मरीज एवं 37 बुखार एवं शरीर दर्द के मरीज पाए गए हैं। सभी मरीजों का इलाज जारी है। गंभीर मरीजों को सुकमा जिला अस्पताल रेफर किया जा रहा है।

इधर मेडिकल कैंप लगाकर मरीजों का गांव में इलाज कर रहे हैं। उधर गंभीर रूप से पीड़ित मरीजों को अस्पताल लाने के लिए एंबुलेंस की सुविधा नहीं है।इसको देखते हुए निजी वाहन से मरीज को परिजनों के द्वारा जिला अस्पताल इलाज के लिए लाया जा रहा है, वहीं इसके लिए मरीजों को बड़ी राशि चुकानी पड़ रही है। मरीज जोगी उल्टी और बुखार से पीड़ित है। जिसकी गंभीर हालत को देखते हुए गांव में लगे मेडिकल कैंप से उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया।जिस पर उनके बेटे ने गांव से निजी गाड़ी में उन्हें सुकमा जिला अस्पताल लाया।

Page-04_Layout 1 3/5/2025 6:56 PM Page 1



## सम्पादकीय

# सार्थक भागीदारी के बिना कैसे हल होंगे आधी आबादी के मुद्दे

हमारे देश में महिलाएँ जनसंख्या का लगभग 48% हिस्सा हैं, फिर भी वे लोकसभा सीटों के 15% से भी कम सीटों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसके परिणामस्वरूप कार्यस्थल सुरक्षा, अवैतनिक देखभाल ज़िम्मेदारियाँ और आर्थिक अधिकार जैसे महिला मुद्दों की अनदेखी होती है। इस तरह का बहिष्कार पितृसत्तात्मक मानदंडों को बनाए रखता है। फिर भी, ऐसे भेदभाव को दूर करने, कानूनी सुरक्षा बढ़ाने और संवैधानिक अधिकारों की पुष्टि करने में न्यायिक कार्यवाही महत्त्वपूर्ण रही है, हालाँकि गहरी जड़ें जमाए हुए पूर्वाग्रहों को मिटाने में उनकी सफलता अभी भी चर्चा का विषय है। महिला प्रतिनिधित्व की कमी से मातृ अधिकारों का हनन होता है, जिसके परिणामस्वरूप कार्यस्थल पर भेदभाव होता है और पर्याप्त सहायता की कमी होती है। मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम 2017 सवेतन अवकाश प्रदान करता है, लेकिन निजी क्षेत्र में इसका कार्यान्वयन कम है, जो महिलाओं को कार्यबल में शामिल होने से हतोत्साहित करता है।

निर्णय लेने की प्रक्रिया से महिलाओं को बाहर रखने के कारण महिला सशक्तिकरण की कड़ी कमजोर होती है। इसके पीछे की वजहें हैं- लैंगिक पूर्वाग्रह और भेदभाव, कार्यस्थल संस्कृति, सामाजिक और पारिवारिक निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी न होना। इससे दायरा सीमित हो जाता है और इस सीमित दायरे में आने वाली चुनौतियों का सामना करना मुश्किल होता है। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यालय के मुताबिक, निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी ना केवल उनका अधिकार है, बल्कि यह सार्वजनिक निर्णयों में उनके हितों का सम्मान करने की अनिवार्य शर्त भी है। अमेरिका की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने कहा था कि लोकतंत्र का स्तर मूल रूप से महिलाओं के सशक्तीकरण पर निर्भर करता है। इस असमानता को कम करने के लिए शिक्षा के जरिए महिलाओं को सशक्त बनाना, उत्पीड़न से मुक्त और सुरक्षित वातावरण बनाना, लड़कियों को जीवन कौशल सिखाना, हिंसा को खत्म करना पहली आवश्यकता है।

वर्तमान नीतियाँ लचीली कार्य व्यवस्था प्रदान नहीं करती हैं, परिणामस्वरूप महिलाओं के लिए अपने पेशेवर और घरेलू जीवन को संतुलित करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है। कई कार्यस्थल पॉश अधिनियम 2013 का अनुपालन नहीं करते हैं, क्योंकि पुरुष-प्रधान नेतृत्व अक्सर महिलाओं की सुरक्षा की महत्त्वपूर्ण आवश्यकता को अनदेखा करता है। इसके अतिरिक्त, नीतियाँ महिला उद्यमियों को समान ऋण और व्यावसायिक प्रोत्साहन प्राप्त करने में पर्याप्त रूप से सहायता नहीं करती हैं, जो उनके आर्थिक सशक्तीकरण को सीमित करती हैं। हालांकि न्यायालयों ने मातृ सुरक्षा को मजबूत करके लिंग-संवेदनशील कार्यस्थलों को बढ़ावा देने में भूमिका निभाई है। 2024 में, सुप्रीम कोर्ट ने दो महिला न्यायाधीशों को बहाल किया, इस बात पर जोर देते हुए कि गर्भावस्था से सम्बंधित बर्खास्तगी दंडनीय और अवैध दोनों है, जिससे कार्यस्थल समानता को बढ़ावा मिलता है। न्यायिक निर्णयों ने महिलाओं के लिए कानूनी सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए भेदभावपूर्ण धार्मिक प्रथाओं को भी उलट दिया है। उदाहरण के लिए, 2017 में शायरा बानो मामले ने ट्रिपल तलाक को अपराध घोषित कर दिया, जिससे मुस्लिम महिलाओं के वैवाहिक अधिकार सुरक्षित हो गए।

इसके अलावा, अदालतों ने हिंदू उत्तराधिकार कानूनों में पितृसत्तात्मक पूर्वाग्रहों को चुनौती देते हुए समान उत्तराधिकार अधिकारों को बरकरार रखा है, जैसा कि 2020 में विनीता शर्मा बनाम राकेश शर्मा में सुप्रीम कोर्ट के फैसले में देखा गया है, जिसमें पुष्टि की गई है कि बेटियों को पैतृक संपत्ति में समान अधिकार है। महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए विधायी निकायों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण लागू करें। प्रतिनिधित्व में सुधार के लिए चुनावों में महिला आरक्षण विधेयक को पूरी तरह से लागू किया जाना चाहिए। न्यायालयों को लिंग कानूनों के पालन की निगरानी और प्रवर्तन करने की आवश्यकता है, जिससे प्रभावी नीति कार्यान्वयन सुनिश्चित हो सके। फास्ट-ट्रैक न्यायालयों को कार्यस्थल उत्पीड़न की घटनाओं के लिए त्वरित न्याय प्रदान करना चाहिए। नीतियों को महिलाओं के लिए वित्तीय समावेशन, कौशल विकास और उद्यमिता समर्थन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के लिए बड़े ऋण प्रदान करने के लिए मुद्रा योजना का विस्तार किया जाना चाहिए।

स्कूली पाठ्यक्रम में कम उम्र से ही पितृसत्तात्मक मानदंडों को चुनौती देने के लिए लिंग जागरूकता को शामिल किया जाना चाहिए। समानता-केंद्रित शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए पाठ्यपुस्तकों में लिंग-संवेदनशील सामग्री शामिल होनी चाहिए। कंपनियों के लिए गहन ऑडिट आयोजित करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे मातृत्व और उत्पीड़न विरोधी नियमों का अनुपालन करती हैं। कोई भी देश अपनी आधी आबादी को पीछे छोड़कर आगे नहीं बढ़ सकता। लिंग-संवेदनशील नीतियों को विकसित करने के लिए निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी महत्त्वपूर्ण है। उन्हें विधायी सुधारों, जमीनी स्तर पर शिक्षा और संस्थागत प्रवर्तन तंत्र द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए। राजनीतिक प्रतिनिधित्व, आर्थिक भागीदारी और कानूनी सुरक्षा को बढ़ाने से भारत के लिए वास्तव में न्यायसंगत और समावेशी शासन प्रणाली बनेगी। महिलाओं की आवाज, दृष्टिकोण और प्रतिनिधित्व की कमी को दूर करने के लिए, महिलाओं के नेतृत्व वाले संगठनों सहित महिलाओं की सार्थक भागीदारी और नेतृत्व को मानवीय कार्यवाही के सभी स्तरों पर बढ़ावा दिया जाना जरूरी है।

केवल महिला दिवस पर ही नहीं, हर रोज महिलाओं को लड़ाई लड़नी पड़ेगी इस बदलाव के लिए, अपने हकों के लिए। छोटी शुरूआत ही सही, लेकिन शुरूआत सबको करनी पड़ेगी। ये संघर्ष का सफर अंतहीन है। महिलाओं के लिए समान वेतन हो, उन्हें फॉर ग्रांटेड न लिया जाए। महिलाओं को अपने टैलेंट के दम पर काम मिले, उसे सराहा जाए, उसकी कद्र हो। घर और काम की जगह पर महिला होने के नाते सहानुभूति नहीं चाहिए सिर्फ.बराबरी चाहिए।

आरएनआई नं. DELHIN/2009/28518 स्वामी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक रमाकांत पाण्डेय द्वारा दिव्य भारत प्रकाशन के लिए न-93 डी नारायण नगर दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफल इंफोटेक लि., प्रेस, सी-9 सेक्टर 3 नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : रमाकांत पाण्डेय, कार्यकारी सम्पादक : आलोक पाण्डेय, फोन : 7701825882, 7905152597, पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन एवं प्रकाशन के लिए उत्तरदायी।
**E-mail :** newdibyabharat@gmail.com

# डोनाल्ड ट्रंप बनाम यूरोपीय यूनियन

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ का हर देश यह महसूस कर रहा है कि अमेरिका में ट्रंप शासन आने के बाद दुनियाँ की परिस्थितियों में परिवर्तन हो रही है, ट्रंप के अमेरिकी फर्स्ट के विजन के कारण ट्रंप तेजी से ऐसी परिस्थितियों लाने को आतुर हैं, ताकि अमेरिका की आर्थिक स्थिति मजबूत हो, अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो, यूक्रेन की खनिज में हिस्सेदारी तथा रूस के साथ दोस्ती की पींगे बढ़ाना, व्हाइट हाउस में ट्रंप जेलेंस्की विवाद इत्यादि इसी का ही एक हिस्सा माना जा सकता है, तो उधर 27 देश का संगठन यूरोपीय यूनियन, नाटो, तुर्की इत्यादि पूरी स्थिति को समझ रहे हैं, क्योंकि ईयू को पूरी प्रक्रिया में अलग- थलग किया जा रहा है, नतीजा यह है कि शुक्रवार 28 फरवरी 2025 को व्हाइट हाउस में जेलेंसकी व ट्रंप की गहमागहमी के बाद जैलेंसकी जब सीधे ब्रिटेन लंदन पहुंचे तो उन्हें हाथों-हाथ लिया गया, ईयू नाटो तुर्की उसके साथ खड़े दिखे जबकि दो अन्य देश विरोध कर रहे थे। लंदन में यूरोपीय यूनियन देशों का यूक्रेन जंग मुद्दे पर डिफेंस समिट हुआ, जिसमें यूक्रेन की मदद की बात कीगई व अमेरिका को युद्ध समझौता प्लान देने पर बातचीत हुई। संयोगवश उसी दौरान यूरोपीय यूनियनकी अध्यक्ष 27-28 फरवरी 2025 को भारत दौरे पर थी, जहां विदेश मंत्री व पीएम से सफल चर्चा के बाद रूस ने तंज कसा कि यूरोप भारत की शरण में जा रहा है,यानें भारत का रुतबा बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है, ऐसा मेरा मानना है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, ट्रंप बनाम यूरोपीय यूनियन, यूरोपीय देशों में मतभेदों के बीच यूरोपीय यूनियन अध्यक्ष भारत के साथ पींगे बढ़ाने को आतुर रूस का तंज, भारत की शरण में पूरा यूरोप जिससे भारत की अहम भूमिका हो गई है।

साथियों बात अगर हम यूरोपीय यूनियन के चर्चा में आने व यूक्रेन को समर्थन करने की करें तो जेलेंस्की के सपोर्ट में कई यूरोपीय देश यूरोप के कई नेताओं ने जेलेंस्की के लिए अपना समर्थन जताया है। नॉर्वे, नीदरलैंड, पोलैंड, यूरोपीय यूनियन, जर्मनी, ब्रिटेन जैसे यूरोपीय देशों के अलावा कनाडा और ऑस्ट्रेलिया ने भी जेलेंस्की के लिए समर्थन जताया।जेलेंस्की शुक्रवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से मिलने व्हाइट हाउस पहुंचे थे। जहां दोनों के बीच तीखी बहस हो गई। ट्रम्प-वेंस और जेलेंस्की एक-दूसरे की तरफ उंगली दिखाते नजर आए। ट्रम्प ने कई बार जेलेंस्की को फटकार भी लगाई। उन्होंने कहा कि वो तीसरा विश्वयुद्ध कराने का जुआ खेल रहे हैं।जेलेंस्की ने कहा कि जब आप युद्ध में होते हो, तो सबके साथ परेशानियां होती हैं।भविष्य में इस युद्ध का असर अमेरिका पर भी पड़ेगा।ट्रम्प यह सुनकर झुंझला गए और उन्होंने कहा कि हमें मत बताइए कि हमें क्या महसूस करना चाहिए। यूक्रेन जंग के मुद्दे पर यूरोपीय देशों की डिफेंस समिट लंदन में हुई, इस बैठक में 15 देशों के राष्ट्र प्रमुख, तुर्की के विदेश मंत्री, नाटो के महासचिव, यूरोपीय संघ और यूरोपीय काउंसिल के प्रेसिडेंट शामिल हुए। ब्रिटिश पीएम ने गले लगाकर जेलेंस्की का स्वागत किया ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने दो बार यूक्रेनी राष्ट्रपति को गले लगाया। सबसे पहले उन्होंने जेलेंस्की के लंदन पहुंचने पर गले लगाकर उनका स्वागत किया, फिर डिफेंस समिट में जेलेंस्की के पहुंचने पर दूसरी बार गले लगाया।इससे पहले जब जेलेंस्की शनिवार को इंग्लैंड पहुंचे तो सड़कों पर लोगों ने जेलेंस्की के सपोर्ट में जोरदार नारे लगाए। स्टार्मर ने उन्हें रिसीव किया और कहा कि आपको पूरे ब्रिटेन का सपोर्ट हासिल है। हम आपके और यूक्रेन के साथ खड़े हैं, भले ही इसमें कितना भी वक्त क्यों न लग जाए। जेलेंस्की ने इस सपोर्ट के लिए उनका शुक्रिया अदा किया। यूक्रेन के सपोर्ट के मुद्दे पर यूरोपियन यूनियन के अंदर भी दरार नजर आ रही है। स्लोवाकिया के पीएम रॉबर्ट फिको का कहना है कि वो यूक्रेन को आर्थिक और सैन्य तौर पर मदद नहीं देंगे। यूक्रेन कभी भी सैन्य ताकत के दम पर रूस को बातचीत के टेबल पर नहीं ला पाएगा। इससे पहले हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान ने भी जेलेंस्की के खिलाफ अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का सपोर्ट किया है। व्हाइट हाउस में दोनों के बीच हुई बहस के बाद उन्होंने ट्रम्प को मजबूत और जेलेंस्की को कमजोर कहा था। उन्होंने ट्रम्प का धन्यवाद भी किया था। ब्रिटेन ने यूक्रेन को 24 हजार करोड़ का लोन दिया। इसके लिए शनिवार को ब्रिटिश पीएम स्टार्मर और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने समझौते पर साइन किए

साथियों बात अगर हम व्हाइट हाउस में ट्रंप से गहमागहमी के बाद जैलेंसकी सीधे लंदन यात्रा पर पहुंचने की करें तो पीएम स्टार्मरनें कहा हमारी कोशिश यूक्रेन को मजबूत स्थिति में लाना है। हम यूक्रेन के लिए अपना समर्थन दोगुना कर रहे हैं।स्टार्मर ने कहा कि समिट में शामिल नेताओं ने यूक्रेन के लिए सैन्य सहायता जारी रखने और रूस पर आर्थिक दबाव बढ़ाने पर सहमति जाहिर की है। किसी भी शांति वार्ता में यूक्रेन को शामिल किया जाना चाहिए।स्टार्मर का कहना है कि किसी भी समझौते में रूस को शामिल करना जरूरी होगा, लेकिन रूस ने इससे पहले कई बार समझौतों का उल्लंघन किया है, ऐसे में हमें यह तय करना होगा कि यूक्रेन को दी जाने वाली गारंटी पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए। आगे के संघर्ष से बचने के लिए गारंटी की जरूरत है। इस बैठक से पहले स्टार्मर ने कहा था कि ब्रिटेन, फ्रांस और यूक्रेन मिलकर रूस-यूक्रेन जंग को रोकने के प्लान पर काम करने के लिए राजी हुए हैं। ये प्लान अमेरिका के सामने रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि ये प्लान तभी काम करेगा जब अमेरिका अपनी सुरक्षा गारंटी पर टिका रहेगा।

साथियों बात अगर हम यूक्रेन जंग मुद्दे पर हुए डिफेंस समिट में अन्य देशों की प्रतिक्रिया की करें तो, बैठक के बाद किसने क्या कहा, (1)उसुर्ला वॉन डेर लेयेनः यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष ने कहा कि हमें यूरोप को तत्काल हथियारबंद करना होगा। हमें डिफेंस निवेश बढ़ाना होगा। यह यूरोपीय यूनियन की सुरक्षा के लिए जरूरी है। हमें फिलहाल सबसे खराब हालात के लिए तैयार रहना चाहिए। इसे लेकर 6 मार्च को यूरोपीय परिषद में एक प्रस्ताव पेश किया जाएगा। (2) मार्क रूटेः नाटो के महासचिव ने कहा कि यूरोपीय देश सुरक्षा के लिए खर्च और यूक्रेन को सपोर्ट बढ़ाने के लिए कदम उठाएंगे। अभी तक कोई शांति समझौता नहीं हुआ है, लेकिन हमें इसके लिए तैयार रहना होगा और यह तय करना होगा कि यूरोपीय देश सुरक्षा गारंटी के साथ मदद करने के लिए तैयार हैं। (3) डोनाल्ड टस्कः पोलैंड के राष्ट्रपति ने कहा कि यूरोप जाग गया है और अब यूक्रेन के लिए समर्थन और यूरोपीय यूनियन के ईस्ट बॉर्डर को मजबूत करने पर एक स्वर में बोल रहा है। (4) ओलाफ शोल्जः जर्मन चांसलर ने कहा कि आज की बैठक काफी महत्वपूर्ण थी। यह रूसी हमले से जूझ रहे यूक्रेन के लिए यूरोप का समर्थन जाहिर करने का मौका था।

साथियों बात अगर हम ट्रंप के जंग से दूर रहने की करें तो,अमेरिकी राष्ट्रपति ने साफ कर दिया है कि अगर कोई जंग छिड़ती है तो इससे अमेरिका दूर रहेगा।अब बड़ा सवाल उठता है कि यूक्रेन तो रूस से युद्ध लड़ नहीं पाएगा, तो फिर क्या यूरोपीय देश रूस से सीधा जंग लड़ेंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने जेलेंस्की से मुलाकात से पहले यूरोप का प्रतिनिधित्व करने आए ब्रिटेन के प्राइम मिनिस्टर कीर स्टार्मर से भी मुलाकात की थी।डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि पूरे यूरोप की रूस के साथ जंग छिड़ने जा रही है और उसका सेंटर पॉइंट यूक्रेन बनेगा। वहीं इससे पहले उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों से भी मुलाकात की थी। इस दौरान भी दोनों नेता सहज स्थिति में नहीं थे। अमेरिका के युद्ध से पीछे हटने के बाद जेलेंस्की जंग में अकेले पड़ गए हैं। ऐसे में यूरोपियन यूनियन के देशों को साथ आना पड़ेगा। इसके लिए उन्हें सबसे पहले यूक्रेन को सुरक्षा की गारंटी देनी होगी। हालांकि संभावना यह भी है कि अगर वह यूक्रेन को सुरक्षा की गारंटी देने पर सहमत होते हैं तो रूस यूरोपीय देशों पर हमले शुरू कर सकता है।

साथियों बात अगर हम यूरोपियन यूनियन की अध्यक्ष की 27-28 फरवरी 2025 को भारत यात्रा की करें तो, उनके इस यात्रा के में उनके साथ यूरोपीय संघ के कमिशनर के समूह भी थे। यह यूरोपीय संघ के कमिशनर के समूह की भारत की पहली यात्रा थी और उसुर्ला वॉन डेर लेयेन की भारत की तीसरी यात्रा थी। यूरोपीय संघ के कमिशनर के समूह, 27 सदस्य वाली यूरोपीय संघ (ईयू) के देशों के आयुक्तों से बना है। यह पहली बार था कि यूरोपीय संघ के कमिशनर के समूह, यूरोप के बाहर का दौरा कर रहे थे।ईयू अध्यक्ष भारत यात्रा के दौरान, भारत-यूरोपीय संघ व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद की दूसरी मंत्रिस्तरीय बैठक भी नई दिल्ली में आयोजित की गई थी।ईयूअध्यक्षा ने नई दिल्ली में पीएम के साथ बैठक की और द्विपक्षीय मुद्दों पर चर्चा की।मुलाकात के बाद दोनों नेताओं ने एक संयुक्त बयान जारी किया। संयुक्त वक्तव्य की मुख्य बिन्दुः.

(1)भारत और यूरोपीय संघ 2025 में पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देंगे।(2) दोनों, स्वच्छ ऊर्जा और जलवायु, जल,स्मार्ट और टिकाऊ शहरीकरण, कनेक्टिविटी और आपदा प्रबंधन के क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार और गहरा करने पर सहमत।(3)दोनों स्वच्छ हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, अपतटीय पवन, टिकाऊ शहरी गतिशीलता, विमानन और रेलवे जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में सहयोग तेज करने पर सहमत। (4) दोनों भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) को साकार करने के लिए कदम उठाएंगे। (5)आईएमईसी को 2023 में नई दिल्ली में जी-20 शिखर सम्मेलन की बैठक के दौरान प्रस्तावित किया गया था। इसका उद्देश्य संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के माध्यम से यूरोपीय संघ के देशों को भारत से जोड़ना है। (6)कॉरिडोर में दो परियोजनाएं हैंः भारत और खाड़ी देशों के बीच एक पूर्वी समुद्री लिंक और अरब प्रायद्वीप को यूरोप से जोड़ने वाला एक उत्तरी खंड।भारत-ईयू व्यापार और प्रौद्योगिकी परिषद (टीटीसी) की दूसरी बैठक 28 फरवरी 2025 को नई दिल्ली में आयोजित की गई। दोनों देशों के प्रतिनिधि ने इस बैठक की सह -अध्यक्षता की।टीटीसी के बारे में (1) इसकी स्थापना अप्रैल 2022 में पीएम और यूरोपीय आयोग के अध्यक्ष द्वारा की गई थी।(2) यह व्यापार, विश्वसनीय प्रौद्योगिकी और सुरक्षा से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए मुख्य द्विपक्षीय मंच है। (3) पहली बैठक मई 2023 में ब्रुसेल्स में आयोजित की गई थी।भारत और यूरोपीय संघ के संबंध यूरोपियन यूनियन (ईयू) 27 यूरोपियन देशों का एक समूह है।

(1) भारत और यूरोपीय संघ ने 2004 में अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमत हुए।

(2) यूरोपीय संघ भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।

(3) 2023 में दोनों के बीच कुल व्यापार 124 बिलियन यूरो 2023 था।

(4) संयुक्त राज्य अमेरिका के बाद यूरोपीय संघ भारत के लिए दूसरा सबसे बड़ा निर्यात बाजार है।

(5) भारत,ईयू का 9वां सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।

(6) पिछले दशक में ईयू और भारत के बीच वस्तुओं का व्यापार लगभग 90 पर्सेंट बढ़ गया है।

(7) 2023 में, ईयू और भारत के बीच सेवाओं का व्यापार 59.7 बिलियन यूरो था।

(8)भारत में लगभग 6,000 यूरोपीय कंपनियाँ मौजूद हैं।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि ट्रंप बनाम यूरोपीय यूनियन। यूक्रेन जंग मुद्दे पर 15 यूरोपियन देशों की लंदन में डिफेंस सम्मिट - नाटो तुर्की यूरोपीय यूनियन के प्रेसिडेंट शामिल ! ट्रंप-यूरोप में मतभेदों के बीच, यूरोपीय यूनियन अध्यक्ष भारत के साथ पींगे बनाने को आतुर रूस का तंज भारत की शरण में पूरा यूरोप भारत की अहम भूमिका !

# सौंदर्य सलाह : शहनाज हुसैन

होली का त्योहार खुशियां, मस्ती, रोमांच तथा उत्साह लेकर आता है। रंगों के इस त्यौहार को हम उत्साह में रंग खेलने और बाद में उसे छुड़ाने के साथ रंगों के कारण त्वचा एवं बालों को हुए नुकसान को लेकर टेंशन में रहते हैं। बाजार में बिकने वाले जिन रंगों का इस्तेमाल होता है, उनमें माइका, लेड जैसे हानिकारक रासायनिक मिले होते हैं, इससे बाल तथा त्वचा रूखी एवं बेजान हो जाती है। बालों का झड़ना शुरू हो जाता है तथा त्वचा में जलन एवं खारिश शुरू हो जाती है।बाजार में बिकने बाले रंगों में हर्बल तथा प्राकृतिक उत्पाद नाममात्र के होते हैं लेकिन ऐसे में रंगों से बचने के लिए आप घर पर छिप कर न बैठें। दिल खोल कर होली खेलें और हम आपको ऐसे नुस्खे बताने जा रहे हैं जिन्हें आजमा कर रंगों से होने वाले नुकसान से बचा जा सकता है।

होली पर रंग आमतौर पर खुले में खेला जाता है, जिससे सूर्य की गर्मी से भी त्वचा पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। खुले आसमान में हानिकाक यूवी किरणों के साथ-साथ नमी की कमी की वजह से त्वचा के रंग में कालापन आ जाता है। होली खेलने के बाद त्वचा निर्जीव हो जाती है।

ऐसे में होली पर त्वचा की रक्षा के लिए रंग खेलने से 20 मिनट पहले त्वचा पर 20 एसपीएफ सनस्क्रीन का लेप कीजिए। यदि आपकी त्वचा पर फोडे, फन्सियां आदि हैं तो 20 एसपीएफ से ज्यादा दर्जे की सनस्क्रीन का उपयोग करना चाहिए। ज्यादातर सनस्क्रीन में माइस्चराईजर ही होता है। यदि आपकी त्वचा अत्याधिक शुष्क है तो पहले सनस्क्रीन लगाने के बाद कुछ समय इंतजार करने के बाद ही त्वचा पर माइस्चराईजर का लेप करें। आप अपनी बाजू तथा सभी खुले अंगों पर माईस्चराइजर लोशन या क्रीम का उपयोग करें।

होली खेलने से पहले बालों पर हेयर सीरम या कंडीशनर का उपयोग करें। इससे बालों को रंग-गुलाल की वजह से होने वाले सूखेपन से सुरक्षा मिलेगी तथा सूर्य की किरणों से होने वाले नुकसान से भी बचाव होगा। आजकल बाजार में सनस्क्रीन सहित हेयर क्रीम आसानी से उपलब्ध है। थोड़ा हेयर क्रीम लेकर उसे दोनों हथेलियों पर फैलाकर बालों की हल्की-हल्की मालिश करें। इसके लिए आप नारियल तेल से भी बालों की मालिश कर सकते हैं। इससे भी रसायनिक रंगों से बालों को होने वाले नुकसान को बचाया जा सकता है। नाखून को होली के रंगों से बचाने के लिए नाखून पर नेल वार्निश की मालिश करनी चाहिए।

होली खेलने के बाद त्वचा तथा बालों पर जमे रंगों को हटाना काफी मुश्किल कार्य है। उसके लिए सबसे पहले चेहरे को बार-बार साफ पानी से धोएं तथा इसके बाद क्लीजिंग क्रीम या लोशन का लेप कर लें तथा कुछ समय बाद इसे गीले कॉटन वूल से धो डालें। आंखों के इर्द-गिर्द के क्षेत्र को हल्के-हल्के साफ करना न भूलें। क्लीजिंग जैल से चेहरे पर जमे रंगों को धुलने तथा हटाने में काफी मदद मिलती है। अपना घरेलू क्लीनजर बनाने के लिए आधा कप ठण्डे दूध में तिल, जैतून, सूर्यमुखी या कोई भी वनस्पति तेल मिला लीजिए। कॉटन वूल पैड को इस मिश्रण में डुबोकर त्वचा को साफ करने के लिए उपयोग में लाएं। शरीर से रसायनिक रंगों को हटाने में तिल के तेल की मालिश महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। इससे न केवल रसायनिक रंग हट जाएंगे बल्कि त्वचा को अतिरिक्त सुरक्षा भी मिलेगी।

तिल के तेल की मालिश से सूर्य की किरणों से हुए नुकसान की भरपाई में मदद मिलती है। नहाते समय शरीर को लूफ या वॉश कपड़े की मदद से स्क्रब कीजिए तथा नहाने के तत्काल बाद शरीर तथा चेहरे पर माइस्चराईजर का उपयोग कीजिए। इससे शरीर में नमी बनाए रखने में मदद मिलेगी।

यदि त्वचा में खुजली है तो पानी के मग में दो चम्मच सिरका मिलाकर उसे त्वचा पर उपयोग करें तथा इससे खुजली खत्म हो जाएगी। इसके बाद भी त्वचा में खुजली जारी रहती है तथा त्वचा पर लाल चकत्ते तथा दाने उभर आते हैं तो आपकी त्वचा को रंगों से एलर्जी हो गई तथा इसके लिए आपको डॉक्टर से सलाह मशवरा जरूर कर लेना चाहिए।

बालों में फंसे सूखे रंग तथा माईका को हटाने के लिए बालों को बार-बार सादा ताजा पानी से धोते रहिए। इसके बाद बालों को हल्के हर्बल शैम्पू से धोएं तथा उंगलियों की मदद से शैम्पू को पूरे सिर पर फैला लें तथा इसे पूरी तरह लगाने के बाद पानी से अच्छी तरह धो डालिए।

होली के अगले दिन दो चम्मच शहद को आधा कप दही में मिलाकर थोड़ी-सी हल्दी में मिलाएं तथा इस मिश्रण को चेहरे, बाजू तथा सभी खुले अंगों पर लगा लें। इसे 20 मिनट लगा रहने दें तथा बाद में साफ ताजा पानी से धो डालें। इससे त्वचा से कालापन हट जाएगा तथा त्वचा मुलायम हो जाएगी।

होली के बाद के दिनों में अपनी त्वचा तथा बालों को पोषाहार तत्वों की पूर्ति करें। एक चम्मच शुद्ध नारियल तेल में एक चम्मच अरण्डी का तेल मिलाकर इसे गर्म करके अपने बालों पर लगा लीजिए। एक तौलिए को गर्म पानी में भीगों कर पानी को निचोड़ दीजिए तथा तौलिए को सिर पर लपेट लीजिए तथा इसे 5 मिनट तक पगड़ी की तरह सिर पर बंधा रहने दीजिए। इस प्रक्रिया को 4-5 बार दोहराइए, इसे खोपड़ी पर तेल को जमने में मदद मिलती है। एक घण्टा बाद बालों को साफ ताजा पानी से धो डालिए।

(लेखिका, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सौंदर्य विशेषज्ञ हैं।)

# संवेदनहीन समाज : धर्म के नाम पर कर्तव्य से विमुखता!

क्या सचमुच हम सभ्य समाज में जी रहे हैं? या यह सिर्फ एक भ्रम है, जिसे हम बचपन से पालते आए हैं? रामगढ़ की घटना पर नजर डालें, जहां एक बेटा अपनी बुजुर्ग माँ को भूख से तड़पता छोड़कर कुम्भ नहाने चला गया। दूसरी ओर, मध्य प्रदेश में एक अपराधी जिसने पहले भी दो बार बलात्कार और हत्या जैसे जघन्य अपराध किए, फिर एक बार नाबालिग को शिकार बनाते हुए पकड़ा गया। क्या यही हमारी संस्कृति और नैतिकता की पराकाष्ठा है? कुम्भ का स्नान क्या माँ की सेवा से बढ़कर हो गया? या फिर धर्म के नाम पर पापों को धोने की हमारी परंपरा इतनी प्रबल हो गई है कि हमें अपनी जिम्मेदारियों से भागने का लाइसेंस मिल जाता है? माँ जिसे देवी का दर्जा दिया जाता है। गीता, वेद, पुराणों में सबसे ऊँचा स्थान दिया गया है, वही माँ जब बुजुर्ग हो जाती है तो उसे भूखा-प्यासा घर में बंद कर दिया जाता है।

यह कैसी विडंबना है कि जहाँ समाज सेवा और पुण्य के नाम पर धर्मस्थलों में भीड़ उमड़ती है, वहीं अपने ही घर में माँ की सेवा करना बोझ लगता है? वहीं दूसरे मामले को देखें। एक बलात्कारी, जिसे सजा होती है जेल की हवा तक खाता है, वह फिर एक बार जघन्य अपराध करता है। क्यों? क्या हमारे कानून में इतनी ढिलाई है कि अपराधी बेखौफ होकर अपराध दोहराते रहें? क्या समाज का नैतिक पतन इस कदर हो गया है कि अपराधियों को कोई भय ही नहीं? या फिर यह हमारी सामूहिक विफलता है कि हम ऐसे दरिंदों को समय रहते रोक नहीं पाते?

यहाँ एक और प्रश्न उठता है झ क्या हम सच में एक विकसित समाज के नागरिक कहलाने योग्य हैं? हमारे देश में माता-पिता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं माना जाता है, आज वहीं वृद्धाश्रमों की संख्या लगातार बढ़ रही है। नारी को नारायणी की तरह पूजने वाले देश में, नारियों को प्रताड़ित किया जा रहा हैं। धर्म और नैतिकता की दुहाई देने वाले लोग अपनी आत्मा से पूछें झ क्या यह वही समाज है जिस पर हम गर्व करते हैं? हम त्योहारों में घंटों लाइन में लगकर मंदिरों में प्रसाद चढ़ाने को तैयार रहते हैं, लेकिन अपने घर के बुजुर्गों को खाना खिलाना बोझ लगता है। अपराधियों के लिए सख्त सजा की मांग तो करते हैं, लेकिन जब ऐसे लोग हमारे समाज में घूमते हैं, तो हम आँखें फेर लेते हैं। क्या यही वह सभ्यता है, जिस पर हम गर्व करते हैं? अगर हाँ, तो शायद हमें फिर से सभ्यता का अर्थ समझना होगा। धर्म, नैतिकता और कानून, इन सबका उद्देश्य समाज को बेहतर बनाना था, न कि इसे विकृत और संवेदनहीन। जब तक हम अपनी सोच नहीं बदलते, तब तक ऐसी घटनाएँ दोहराई जाती रहेंगी।

समाज में नैतिकता और न्याय की दुहाई देने वाले अक्सर तब चुप हो जाते हैं जब असल में आवाज उठाने की जरूरत होती है। हर दिन समाचार पत्रों में ऐसी घटनाएँ पढ़कर क्षणिक आक्रोश तो व्यक्त कर देते हैं, लेकिन फिर अगले ही पल अपनी दिनचर्या में व्यस्त हो जाते हैं। यह निष्क्रियता ही सबसे बड़ा अपराध है। हम अपने आसपास की इन घटनाओं को देखते हुए भी मौन रह जाते हैं, जिससे अपराधियों का मनोबल और बढ़ता है। कानून के प्रति डर क्यों समाप्त हो रहा है? क्योंकि हमारी न्याय व्यवस्था इतनी धीमी है कि अपराधी बेखौफ होकर अपराध करते हैं और पीड़ित न्याय के लिए बरसों भटकते रहते हैं। न्याय में देरी न्याय से वंचित होने की निशानी है। जब तक समाज इस गंभीर समस्या को नहीं समझेगा, तब तक बदलाव की कोई उम्मीद नहीं की जा सकती।

समाज का ढांचा ऐसा होना चाहिए जहाँ संस्कार, नैतिकता और न्याय का मेल हो। लेकिन दुर्भाग्य से हम एक ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ स्वार्थ, पाखंड और संवेदनहीनता ने जड़ें जमा ली हैं। हम अपने फायदे के लिए धर्म का उपयोग करते हैं, लेकिन जब दूसरों के अधिकारों और भावनाओं की बात आती है, तो चुप्पी साध लेते हैं। अगर हमें सच में समाज को बदलना है तो सबसे पहले अपनी मानसिकता को बदलना होगा। किसी भी समाज की असली परीक्षा उसकी कमजोर कड़ियों की रक्षा करने में होती है। बुजुर्गों की सेवा, महिलाओं का सम्मान और न्याय की रक्षा केवल सरकारी नीतियों से संभव नहीं हो सकती। इसके लिए हमें सामूहिक रूप से अपनी जिम्मेदारियाँ समझनी होंगी। हमें यह सोचना जरूरी है कि हमारा समाज किस ओर जा रहा है। अगर हमने अभी भी नहीं सोचा, तो आने वाली पीढ़ियाँ एक ऐसे समाज में रहेंगी जहाँ रिश्तों की अहमियत नहीं होगी, कानून का डर नहीं होगा और धर्म सिर्फ. दिखावा बनकर रह जाएगा। क्या हम सच में ऐसा समाज चाहते हैं? या अब समय आ गया है कि हम अपनी सोच और अपने कर्तव्यों को नए सिरे से परिभाषित करें?

Page-05_Layout 1 3/6/2025 1:51 AM Page 1



# उपराज्यपाल ने श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड की 48वीं बैठक की अध्यक्षता की

**दिव्य भारत संवाददाता**

जम्मू। उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा ने आज राजभवन में श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) की 48वीं बोर्ड बैठक की अध्यक्षता की। इस वर्ष, श्री अमरनाथ जी यात्रा 3 जुलाई को अनंतनाग जिले के पहलगाम ट्रैक और गंदेरबल जिले के बालटाल दोनों मार्गों से एक साथ शुरू होगी और 9 अगस्त, 2025 को रक्षा बंधन के दिन इसका समापन होगा। बैठक में स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज, श्री डी.सी. रैना, श्रीमती कैलाश मेहरा साधु, श्री के.एन. राय, श्री पीतांबर लाल गुप्ता, डॉ. शैलेश रैना और प्रोफेसर विश्वमूर्ति शास्त्री, श्राइन बोर्ड के सदस्य उपस्थित थे।बोर्ड ने श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं और सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए विभिन्न उपायों और हस्तक्षेपों का प्रस्ताव रखा। श्री अमरनाथ जी यात्रा-2025 के लिए तीर्थयात्रियों की संभावित बढ़ती आमद को ध्यान में रखते हुए बैठक में जम्मू, श्रीनगर और अन्य स्थानों पर केंद्रों पर ठहरने की क्षमता बढ़ाने, ई-केवाईसी के लिए यात्री सुविधा केंद्रों का संचालन, आरएफआईडी कार्ड जारी करने, नौगाम और कटरा रेलवे स्टेशनों सहित कई स्थानों पर तीर्थयात्रियों का मौके पर पंजीकरण करने के उपायों पर चर्चा की गई। इस बात पर भी चर्चा हुई कि आवश्यकता के अनुसार बालटाल, पहलगाम, नुनवान, पंथा चौक श्रीनगर में भी इन सुविधाओं को उपयुक्त रूप से बढ़ाया जाना चाहिए। लाइन विभागों द्वारा किए जा रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपराज्यपाल ने यात्रा के मार्ग में विभिन्न स्थानों पर पर्याप्त व्यवस्था और अपेक्षित सुविधाएं सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यात्री निवास, पंथा चौक, श्रीनगर में क्षमता बढ़ाने का भी आह्वान किया। बैठक में चल रही परियोजनाओं, यात्रा से संबंधित सूचनाओं के प्रसार, यात्रियों, सेवा प्रदाताओं, टट्टुओं को बीमा कवर पवित्र गुफा और निचली पवित्र गुफा क्षेत्र में भीड़भाड़ कम करने के उपाय; आपदा तैयारी और शमन उपाय; हेली सेवाओं, चिकित्सा देखभाल सुविधाओं का पर्याप्त प्रावधान; मौसम पूर्वानुमान बुनियादी ढांचे और प्रणालियों, सुरक्षा और निगरानी और सेवाओं को किराए पर लेने के लिए डिजिटल प्रीपेड प्रणाली। इस अवसर पर, उपराज्यपाल ने बोर्ड के सदस्यों को सम्मानित किया और यात्रा के सफल संचालन में उनके बहुमूल्य योगदान और निरंतर मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।

*उपराज्यपाल ने श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड की 48वीं बैठक की अध्यक्षता की।*

# उपराज्यपाल के अभिभाषण पर विधानसभा में चर्चा फिर शुरू हुई

**दिव्य भारत संवाददाता**

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बजट सत्र के पहले दिन विधानसभा में दिए गए उपराज्यपाल के अभिभाषण के लिए धन्यवाद प्रस्ताव पर दूसरे दिन भी चर्चा हुई। इस दौरान सिंधु जल संधि, सरकारी विभागों में रिक्तियों को भरने, आरक्षण नीति को युक्तिसंगत बनाने और बिजली परियोजनाओं की वापसी सहित कई विषयों पर चर्चा हुई।

बहस की शुरूआत करते हुए सुरजीत सिंह स्लैथिया ने कहा कि लोगों ने हमें उनकी समस्याओं को हल करने के लिए चुना है और उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के प्रयासों की प्रशंसा की, जिन्होंने पहली बार बजट तैयार करने के संबंध में जिला स्तर पर परामर्श की श्रृंखला आयोजित की। उन्होंने कहा, हमें सीएम उमर अब्दुल्ला के इरादों पर संदेह नहीं है और हम समझते हैं कि सरकार अभी अपने शुरूआती चरण में है, इसलिए हमें उम्मीद है कि वे जम्मू-कश्मीर के लोगों से किए गए सभी वादों को पूरा करेंगे। सिंह ने आगे कहा कि अनुच्छेद 370 के हटने से जम्मू-कश्मीर में विकास की नई सुबह आई है।

धन्यवाद प्रस्ताव पर टिप्पणी करते हुए डॉ. बशीर अहमद वीरी ने बजट को सभी क्षेत्रों की जरूरतों और प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए समाज के विभिन्न वर्गों के साथ बैठकें आयोजित करने की अनूठी पहल के लिए उमर अब्दुल्ला सरकार की सराहना की।

उन्होंने कहा कि पहली बार लोगों ने इतनी बड़ी संख्या में विधानसभा चुनाव में भाग लिया है। वीरी ने सिंधु जल संधि के बारे में बात करते हुए कहा कि यह जम्मू-कश्मीर को जल विद्युत उत्पादन के लिए पानी की पूरी क्षमता का उपयोग करने से रोकता है। उन्होंने लोगों की अन्य विकासात्मक जरूरतों के अलावा सरकारी विभागों में सभी रिक्तियों को भरने के मुद्दे पर भी विचार-विमर्श किया।

निजामुद्दीन भट ने अपने भाषण में कहा कि, हमें राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए मजबूत पहल करनी होगी और एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल या सदन का एक पैनल नामित करना होगा जो केंद्र सरकार के सामने मामला पेश करेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के लिए जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करना और संसद में किए गए वादों का सम्मान करना संवैधानिक रूप से अनिवार्य है।

गुलाम मोहिउद्दीन मीर ने जम्मू-कश्मीर में बेरोजगारी पर बात करते हुए कहा कि यहां के लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है। राजीव जसरोटिया ने बजट तैयार करने से पहले सभी हितधारकों, निर्वाचित प्रतिनिधियों को विश्वास में लेने के लिए उमर अब्दुल्ला सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि इतिहास में पहली बार बजट पूर्व विचार-विमर्श किया गया है। उन्होंने सरकार को घोषणापत्र में किए गए वादों की भी याद दिलाई, जिन्हें पहले तीन महीनों के भीतर पूरा किया जाना था। उन्होंने कहा कि घोषणापत्र में कुछ मुद्दे उपराज्यपाल के अभिभाषण में गायब थे। उन्होंने भाजपा नीत सरकार द्वारा की गई कई पहलों पर भी प्रकाश डाला और कहा कि हम लोगों के कल्याण के लिए एक सम्मानजनक विपक्ष के रूप में काम करेंगे।

वहीद पारा ने बहस में भाग लेते हुए कहा कि लोगों के लिए सुशासन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री से जम्मू-कश्मीर के युवाओं के मुद्दे को उचित मंच पर उठाने का भी आग्रह किया। बहस में भाग लेते हुए जावेद रियाज ने कहा कि हमें राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

इरफान हफीज लोन ने कहा कि यह अच्छी बात है कि सरकार राज्य का दर्जा पूरी तरह बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है और मुझे उम्मीद है कि उमर अब्दुल्ला लोगों की इस उम्मीद पर खरा उतरेंगे। उन्होंने कहा, जब हम एकमत हैं, तो हमें राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए एकजुट मोर्चा बनाना चाहिए। उन्होंने अन्य मुद्दों के अलावा दिहाड़ी मजदूरों, मुफ्त बिजली, बिजली परियोजनाओं की वापसी, सतत विकास और नाजुक पर्यावरण की सुरक्षा के मुद्दे पर भी बात की। अली मोहम्मद सागर ने एलजी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने इस सरकार को भारी जनादेश दिया है। उन्होंने कहा कि यह सरकार लोगों की आवाज है और आने वाले समय में यह सरकार सभी प्रतिबद्धताओं को पूरा करेगी।

# उपायुक्त पुंछ ने खानेतर में दो स्वचालित दूध संग्रह इकाइयों का उद्घाटन किया

दिव्य भारत संवाददाता

पुंछ। पुंछ में डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण विकास में, उपायुक्त विकास कुंडल ने आज हवेली तहसील के गांव खानेतर में दो स्वचालित दूध संग्रह इकाइयों (एएमसीयू) का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा की खानेतर डेयरी सहकारी समिति, कुनियां, पुंछ और सैन बाबा स्वयं सहायता समूह, बांदीचेचियां, पुंछ द्वारा स्थापित इकाइयां समग्र कृषि विकास कार्यक्रम और जम्मू और कश्मीर में डेयरी विकास पहल के तहत एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं। यह कार्यक्रम क्षेत्र के डेयरी बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, ग्रामीण सशक्तीकरण को बढ़ावा देने और स्थानीय किसानों का समर्थन करने की दिशा में एक आवश्यक कदम है।

अपने संबोधन में, उपायुक्त ने स्थानीय डेयरी किसानों और स्वयं सहायता समूहों के समर्पण की सराहना की, दूध उत्पादन में सुधार और ग्रामीण आजीविका के उत्थान में उनके महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता दी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह की पहल क्षेत्र में किसानों के लिए आत्मनिर्भरता हासिल करने और वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

मुख्य पशुपालन अधिकारी ने डेयरी उद्योग में आधुनिक तकनीक को एकीकृत करने में पशुपालन विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका पर भी प्रकाश डाला, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि स्थानीय किसान फल-फूल सकें और अपनी उपज की गुणवत्ता में सुधार कर सकें। एएमसीयू की स्थापना से दूध संग्रह प्रक्रिया सुव्यवस्थित होगी, जिससे उच्च गुणवत्ता नियंत्रण और बेहतर प्रसंस्करण मानक सुनिश्चित होंगे। इसके अतिरिक्त, साईं बाबा स्वयं सहायता समूह का गठन स्थानीय महिलाओं को सशक्त बनाने, समुदाय संचालित विकास को बढ़ावा देने और क्षेत्र की समग्र समृद्धि में योगदान देने पर केंद्रित है।

उद्घाटन समारोह में स्थानीय किसानों, समुदाय के सदस्यों और विभिन्न गणमान्य लोगों ने भाग लिया, जिनमें से सभी ने पहल के लिए मजबूत समर्थन व्यक्त किया और पुंछ में डेयरी उद्योग के भविष्य के लिए आशावाद साझा किया।

*कुलपति, रजिस्ट्रार नेबाबा गुलाम शाह बादशाह विश्व विद्यालय में विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।*

# कुलपति, रजिस्ट्रार नेबाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय में विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की

**दिव्य भारत संवाददाता**

राजौरी। बाबा गुलाम शाह बादशाह विश्वविद्यालय के कुलपति जावेद इकबाल ने रजिस्ट्रार अभिषेक शर्मा (उपायुक्त राजौरी) और मुख्य अभियंता आरएंडबी के साथ विश्वविद्यालय परिसर में चल रही विकास परियोजनाओं की व्यापक भौतिक समीक्षा की।

यात्रा के दौरान, अधिकारियों ने डॉ एपीजे अब्दुल कलाम लाइब्रेरी, नए शैक्षणिक ब्लॉकों के निर्माण, छात्रावास सुविधाओं, सड़क संपर्क और छात्रों और शिक्षकों के लिए शैक्षणिक और आवासीय वातावरण को बढ़ाने के उद्देश्य से अन्य आवश्यक सुविधाओं सहित विभिन्न बुनियादी ढांचे के कार्यों की प्रगति का आकलन किया। टीम ने गुणवत्ता मानकों को बनाए रखते हुए परियोजनाओं के समय पर पूरा होने को सुनिश्चित करने के लिए इंजीनियरों और परियोजना अधिकारियों के साथ बातचीत की।

कुलपति जावेद इकबाल ने अकादमिक उत्कृष्टता और अनुसंधान का समर्थन करने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी लंबित परियोजनाओं की समीक्षा करने और चल रहे कार्यों की निगरानी करने और निष्पादन में किसी भी अड़चन को दूर करने का निर्देश दिया।

रजिस्ट्रार अभिषेक शर्मा ने समयसीमा और तकनीकी विनिदेर्शों का पालन सुनिश्चित करने के लिए नियमित निगरानी के महत्व पर जोर दिया। मुख्य अभियंता आरएंडबी ने प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति पर विस्तृत जानकारी दी और आश्वासन दिया कि उनके समय पर पूरा होने के लिए सभी आवश्यक उपाय किए जा रहे हैं। समीक्षा ने विश्वविद्यालय प्रशासन के शैक्षणिक विकास और नवाचार के लिए आधारशिला के रूप में बुनियादी ढांचे के विकास पर ध्यान केंद्रित करने को रेखांकित किया। अधिकारियों ने यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की कि परियोजनाएं कुशलतापूर्वक पूरी की जाएं, जिससे विश्वविद्यालय की सुविधाओं के समग्र संवर्द्धन में योगदान मिले।

# उपायुक्त राजौरी ने जिले में ऐतिहासिक सौंदर्यीकरण परियोजना की शुरूआत की

**दिव्य भारत संवाददाता**

राजौरी। राजौरी शहर के सौंदर्य को बढ़ाने के लिए एक बड़ी पहल में, डिप्टी कमिश्नर अभिषेक शर्मा ने आज सौंदर्यीकरण परियोजना की शुरूआत की, जिसका उद्देश्य हवाई क्षेत्र और आस-पास की सड़क के आसपास के क्षेत्र को एक आकर्षक और पैदल यात्री-अनुकूल क्षेत्र में बदलना है।

डीसी राजौरी के व्यक्तिगत हस्तक्षेप के बाद गति पकड़ने वाली यह परियोजना मजबूत नागरिक-सैन्य संपर्क के माध्यम से संभव हुई है, जिसमें भारतीय सेना ने निर्दिष्ट क्षेत्र में विकास कार्य की अनुमति दी है। इस पहल की शुरूआत स्पष्ट रूप से नागरिक प्रशासन और भारतीय सेना के बीच जन कल्याण और शहरी विकास की दिशा में काम करने में मजबूत समन्वय को दशार्ती है।

सौंदर्यीकरण परियोजना की प्रमुख विशेषताओं में शहीदों, योद्धाओं, सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन स्थलों और प्रमुख संस्थानों को दशार्ने वाले 3डी भित्ति चित्र, सौंदर्य वृद्धि और परिदृश्य विकास, हरियाली और सजावटी वृक्षारोपण और सुरक्षित पैदल यात्री आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अच्छी तरह से संरचित फुटपाथ शामिल हैं। इस अवसर पर बोलते हुए, डीसी राजौरी अभिषेक शर्मा ने शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करते हुए शहर के आधुनिकीकरण में परियोजना के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने परियोजना को सुविधाजनक बनाने में उनके सहयोग के लिए भारतीय सेना के प्रति आभार व्यक्त किया और इस दृष्टि को वास्तविकता बनाने में उनके सामूहिक प्रयासों के लिए सभी हितधारकों को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में एसई पीडब्ल्यूडी देवी दयाल, सीपीओ मकसूद अहमद, नगर पालिका के कार्यकारी अधिकारी यूसुफ उमर, कार्यकारी अभियंता पीडब्ल्यूडी सरदार खान और रक्षा प्रतिष्ठान के प्रतिनिधि शामिल हुए।

# सचिव ग्रामीण विकास विभाग ने-मनरेगा सहित हिमायत योजनाओं के तहत प्रस्तावित वार्षिक कार्यान्वयन योजना की समीक्षा की

**दिव्य भारत संवाददाता**

जम्मू। सचिव, ग्रामीण विकास विभाग और पंचायती राज मोहम्मद ऐजाज असद ने आज ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण जम्मू और कश्मीर ग्रामीण आजीविका मिशन और हिमायत के लिए वार्षिक कार्य योजना ) 2025-26 को अंतिम रूप देने के लिए आयोजित होने वाली अधिकार प्राप्त समिति सत्र से पहले एक तैयारी बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान सचिव ने एएपी के तहत प्रस्तावित प्रमुख कार्यक्रम रणनीतियों और वित्तीय आवंटन की समीक्षा की। चर्चा मनरेगा के तहत रोजगार सृजन, पीएमएवाई-जी के माध्यम से ग्रामीण गरीबों के लिए आवास, एनआरएलएम के तहत स्वरोजगार पहल और हिमायत के तहत कौशल विकास हस्तक्षेप पर केंद्रित थी। सचिव ने मनरेगा के तहत रोजगार के अवसरों को और बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम को ग्रामीण आजीविका के लिए एक महत्वपूर्ण जीवन रेखा के रूप में मान्यता देते हुए उन्होंने बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए कार्य उपलब्धता का विस्तार करने के महत्व पर बल दिया।

उन्होंने हितधारकों के साथ उचित परामर्श में उपायुक्तों द्वारा तैयार वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित अनुमानित व्यक्ति-दिवस (पीडी) की समीक्षा की। उन्होंने ग्रामीण बुनियादी ढांचे और रोजगार सृजन को मजबूत करने में प्रस्तावित कार्यों के प्रभाव का भी आकलन किया। उन्होंने समय पर मजदूरी भुगतान के महत्व को दोहराया, जो श्रमिकों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से मनरेगा का एक प्रमुख पहलू है। सचिव ने पीएमएवाई-जी के लिए वार्षिक कार्य योजना की भी समीक्षा की, जिसका लक्ष्य 2025-26 के दौरान नए घरों का निर्माण करना है। उन्होंने प्रभावी कार्यान्वयन सुनिश्चित करने के लिए कुशल निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया।

सचिव ने आवास निर्माण के लिए अकुशल मजदूरी प्रदान करने के लिए मनरेगा के साथ अभिसरण के महत्व को दोहराया, जिससे ग्रामीण जीवन स्थितियों में सुधार के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को बल मिला। सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि इसका प्राथमिक उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वरोजगार के अवसरों, वित्तीय समावेशन और कौशल विकास को मजबूत करना है।

*उपायुक्त राजौरी ने जिले में ऐतिहासिक सौंदर्यीकरण परियोजना की शुरूआत की।*

Page-06_Layout 1 3/5/2025 11:15 PM Page 1

मास्को में म्यांमार के सैन्य प्रमुख जनरल मिन आंग हलेंग रुसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन से मुलाकात में उन्हें एक किताब देते हुए।

# अमेरिका में स्वर्ण युग शुरू, कांग्रेस के संयुक्त सत्र में बोले ट्रंप

वाशिंगटन, (हि.स.)। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय समयानुसार बुधवार को अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। दूसरे कार्यकाल के अपने पहले संबोधन में राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी जीत का जश्न मनाया। बोले स्वर्ण युग अब शुरू हुआ है। उन्होंने अपनी सबसे बड़ी उपलब्धियों को भी गिनाया। इनमें अमेरिका की खाड़ी का नाम बदलना, ट्रांसजेंडर विचारधारा पर हमला करना, आप्रवासन पर नकेल कसना और सरकार में विविधता पहल को खत्म करना शामिल है। द वाल स्ट्रीट जनरल की खबर के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का स्वर्ण युग अभी शुरू हुआ है। यह ऐसा कुछ होगा जो पहले कभी नहीं देखा गया है। इस दौरान रिपब्लिकन ने खड़े होकर जोरदार तालियां बजाईं। इस दौरान कुछ डेमोक्रेट्स ने राष्ट्रपति के संबोधन में खलन डालने की कोशिश की। सार्जेंट ऑफ आर्म्स ने अल ग्रीन (डी. टेक्सास) को बाहर निकाल दिया। कुछ डेमोक्रेटिक सांसद उनका भाषण शुरू होने से पहले ही बाहर चले गए।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कांग्रेस से बिडेन-युग के कानून को रद्द करने का आह्वान किया। ट्रंप ने अपने शुरूआती भाषण में आव्रजन उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कांग्रेस से बच्चों में लिंग-संबंधी सर्जरी पर स्थायी रूप से प्रतिबंध लगाने और अपराधीकरण करने वाला विधेयक पारित करने का आह्वान किया।

उन्होंने खुलासा किया कि काबुल हवाई अड्डे पर 2021 के घातक आत्मघाती हमले की योजना बनाने में शामिल एक अफगान को अमेरिका लाया जा रहा है। ट्रंप ने कहा कि अफगानिस्तान में स्थित इस्लामिक स्टेट शाखा के एक वरिष्ठ सदस्य को पाकिस्तान ने अमेरिकी अधिकारियों को सौंप दिया है। अमेरिकी अधिकारियों ने उसकी पहचान मोहम्मद शरीफुल्लाह के रूप में की है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दो दिन पहले उन्होंने अंग्रेजी को अमेरिका की आधिकारिक भाषा बनाने के आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं। अमेरिका को उन पर भरोसा है। बाइडन अब तक के सबसे खराब राष्ट्रपति हैं। बाइडन के कार्यकाल में घुसपैठ बढ़ी थी। उन्होंने दावा किया कि उनके प्रशासन ने महज 43 दिन में वो कर दिखाया, जो पिछली सरकारों ने चार साल में भी नहीं किया। उन्होंने कहा कि अंडों की कीमतें बेकाबू हो गई हैं। वह वादा करते हैं कि अमेरिका से महंगाई खत्म करेंगे। उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता में देश की अर्थव्यवस्था को बचाना और कामकाजी परिवारों को राहत प्रदान करना है। ट्रंप ने कांग्रेस में अपने आखिरी संबोधन के पांच साल बाद हाउस चैंबर में खड़े होकर कहा, "मैं आज रात इस चैंबर में यह रिपोर्ट करने के लिए लौटा हूं कि अमेरिका की गति वापस आ गई है, हमारी भावना वापस आ गई है, हमारा गौरव वापस आ गया है, हमारा आत्मविश्वास वापस आ गया है।"

# काहिरा सम्मेलन में मिस्र की 53 अरब डॉलर की गाजा पुनर्निर्माण योजना का समर्थन

काहिरा (मिस्र), (हि.स.)। अरब लीग शिखर सम्मेलन ने गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण पर मिस्र की योजना पर मुहर लगा दी। यह सम्मेलन कल दोपहर 03 बजे (स्थानीय समयानुसार) काहिरा में शुरू हुआ था। सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचे नेताओं ने मिस्र की योजना को स्वीकार करते हुए अंतरराष्ट्रीय समर्थन का आह्वान किया। मिस्र ने गाजा के पुनर्निर्माण के लिए कुल 53 अरब डॉलर की योजना प्रस्तुत की। इसे पूरा करने के लिए पांच साल की समय सीमा तय की गई है।

डेली न्यूज इजिप्ट की खबर के अनुसार, इस आपातकालीन अरब लीग शिखर सम्मेलन के समापन वक्तव्य में गाजा के भविष्य और इसके पुनर्निर्माण के लिए मिस्र की योजना को अपनाया गया है। बयान में अंतरराष्ट्रीय समुदाय और वित्तीय संस्थानों से योजना के लिए तेजी से समर्थन प्रदान करने का आह्वान किया गया है।

मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी ने अरब देशों के नेताओं से गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण के लिए मिस्र की योजना को अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि फिलिस्तीनी पुनर्निर्माण के समय अपनी भूमि पर बने रहें। सीसी ने कहा कि गाजा में इजराइली आक्रामकता ऐतिहासिक भूमि से जबरन विस्थापन चिंताजनक है। इस शिखर सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्य पूर्वी रिवेरा में पुनर्विकास के सुझाव की निंदा की गई।

मिस्र की 112 पेज की योजना के अनुसार, शुरू के छह माह में मलबे को साफ करने और अस्थायी आवास स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पुनर्निर्माण के पहले चरण में दो साल लगने की उम्मीद है और इसमें 200,000 आवास इकाइयों का निर्माण शामिल होगा। इसकी अनुमानित लागत 20 अरब डॉलर होगी। दूसरे चरण का बजट 30 अरब डॉलर है। यह ढाई साल तक चलेगा। इसमें अतिरिक्त 200,000 आवासीय इकाइयों के साथ-साथ गाजा में एक हवाई अड्डे का निर्माण शामिल होगा। अरब नेताओं ने उपयुक्त परिस्थितियों की स्थापना के आधार पर एक वर्ष के भीतर सभी फिलिस्तीनी क्षेत्रों में चुनाव का आह्वान किया।

## नई दिल्ली 'रायसीना डायलॉग 2025' में नेपाल की विदेशमंत्री आरजू राणा होंगी शामिल

काठमांडू, (हि.स.)। नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 'रायसीना डायलॉग 2025' में नेपाल का प्रतिनिधित्व विदेशमंत्री डॉ. आरजू राणा करेंगी। वह 16 मार्च को नई दिल्ली पहुंचेंगी। इसका आयोजन भारतीय विदेश मंत्रालय के सहयोग से ऑब्जर्बर रिसर्च फाउंडेशन कर रहा है। 17-19 मार्च तक आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में दुनिया के कई देशों का प्रतिनिधित्व होगा।

नेपाल की विदेशमंत्री डॉ. आरजू ने आज बताया कि भारत के विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर सहित अन्य मंत्रियों से मुलाकात के लिए भी समय मांगा गया है। नई दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास इसके लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। भारत में नेपाल के राजदूत डॉ. शंकर शर्मा ने मंगलवार को भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री से मुलाकात कर उनकी नई दिल्ली यात्रा की औपचारिक जानकारी दी है।

विदेशमंत्री का कार्यभार संभालने के बाद डॉ. आरजू का यह तीसरा भारत दौरा होगा। मंत्री बनने के साथ ही सितंबर 2024 में भारत पहुंचीं डॉ. आरजू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, विदेशमंत्री जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से भेंट की थी। इसके बाद दिसंबर में भी वह भारत की यात्रा पर रहीं। फरवरी 2025 में मस्कट में इंडिया फाउंडेशन के एक कार्यक्रम में उनकी मुलाकात जयशंकर से हुई थी। विदेशमंत्री डॉ. राणा ने वह भारत के प्रधानमंत्री को नेपाल में मई महीने में होने वाले सागरमाथा संवाद के लिए सरकार की तरफ से निमंत्रण देंगी। पहले इस कार्यक्रम में उप प्रधानमंत्री और वित्तमंत्री विष्णु पौडेल का नाम भेजा गया था।

यूक्रेन में रुसी ड्रोन हमले के बीच ही एक क्षतिग्रस्त रहवासी परिसर को देखते हुए लोग।

# मिस्र की गाजा योजना पर सहमति : अरब शिखर सम्मेलन में बहुपक्षीय सहयोग की घोषणा

दुबई, (हि.स.)। अरब देशों के बीच आयोजित शिखर सम्मेलन के मसौदा बयान में मिस्र द्वारा प्रस्तावित गाजा के पुनर्निर्माण की योजना को अपनाया गया है। मसौदे में अंतरराष्ट्रीय समुदाय तथा वित्तीय संस्थानों से तुरंत सहयोग करने की अपील की गई है, ताकि गाजा को फिर से रहने योग्य बनाया जा सके।

इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रस्तावों का मुकाबला करना है, जिनमें गाजा पर नियंत्रण हासिल करने और फिलिस्तीनी आबादी को मिस्र और जॉर्डन में पुनर्वासित करने की बात कही गई थी। साथ ही, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की नीतियों पर भी प्रतिक्रिया दी जा रही है, जिन्होंने संघर्ष विराम समाप्त कर दुश्मनी को फिर से शुरू करने का संकेत दिया था।

मसौदे में प्रस्तावित अरब योजना के अनुसार, गाजा के पूर्ण पुनर्निर्माण के लिए तीन चरण निर्धारित किए गए हैं, जिन्हें कुल पांच वर्षों में लागू किया जाएगा। पहले चरण में, दो वर्षों में 20 अरब डॉलर की लागत से दो लाख आवासीय इकाइयों का निर्माण करने की रूपरेखा है। इस चरण के तहत, शुरूआती छह महीनों में मलबे को हटाकर अस्थायी आवास की व्यवस्था भी की जाएगी।

दूसरे चरण में, अगले ढाई वर्षों में अतिरिक्त दो लाख आवासीय इकाइयों के साथ-साथ गाजा में एक हवाई अड्डे का निर्माण शामिल है। पूरे पुनर्निर्माण की कुल अनुमानित लागत लगभग 53 अरब डॉलर बताई गई है।

मिस्र की योजना के अंतर्गत, गाजा में हमास द्वारा संचालित सरकार के स्थान पर एक प्रशासनिक सहायता मिशन स्थापित किया जाएगा। इस मिशन का उद्देश्य मानवीय सहायता प्रदान करना और युद्ध से तबाह हुए क्षेत्र के पुनर्निर्माण की पहल को गति देना होगा। साथ ही, मिस्र और जॉर्डन मिलकर फिलिस्तीनी पुलिस बल को प्रशिक्षण देंगे, ताकि गाजा में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जा सके। योजना में इजरायल से अपील की गई है कि वह सभी बस्तियों के निर्माण, भूमि अधिग्रहण और फिलिस्तीनी घरों के विध्वंस को तुरंत रोक दे। इसके अतिरिक्त, विभाजनकारी हथियारों के मुद्दे को भी एक स्पष्ट ढांचे और विश्वसनीय राजनीतिक प्रक्रिया के तहत संबोधित किया जाएगा।

मसौदा बयान में यह भी उल्लेख किया गया है कि गाजा के पुनर्निर्माण के लिए शीघ्र ही एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा, जिसकी मेजबानी इस माह के अंत में काहिरा में की जाएगी। इस कदम का उद्देश्य अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के हालिया प्रस्तावों का प्रतिकार करते हुए फिलिस्तीनी अधिकारों की सुरक्षा और क्षेत्र में स्थिरता सुनिश्चित करना है।

## नेपाल में राजसंस्था की पुनर्बहाली के लिए राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने किया शक्ति प्रदर्शन

काठमांडू, (हि.स.)। नेपाल में राजसंस्था की पुनर्बहाली की मांग को प्रमुख एजेंडा बना कर राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) ने बुधवार को काठमांडू में शक्ति प्रदर्शन किया है, जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। शक्ति प्रदर्शन में शामिल लोगों ने राजसंस्था की पुनर्बहाली के पक्ष में नाराबाजी भी की। यह प्रदर्शन संसद भवन के इलाके से शुरू होकर राजदरबार तक किया गया।

नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेन्द्र शाह ने प्रजातंत्र दिवस पर जनता से समर्थन देने की अपील की थी, जिसके बाद आरपीपी ने पूरे देश में इस तरह का शक्ति प्रदर्शन किया है। इस रैली का नेतृत्व करते हुए आरपीपी के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन ने कहा कि राजसंस्था की पुनर्बहाली के लिए इस तरह का जनदबाव आगे भी जारी रखा जाएगा। उनका कहना है कि जब तक वर्तमान राजा ज्ञानेन्द्र शाह को पुनः राजगद्दी पर नहीं बैठा दिया जाएगा तब तक उनकी पार्टी का आंदोलन चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि नेपाल के लोगों ने कभी भी राजसंस्था के संपूर्ण उन्मूलन के लिए आंदोलन नहीं किया था।

# नेपाल के प्रधानमंत्री ओली ने बिमस्टेक सम्मेलन के दौरान पीएम मोदी से मुलाकात का समय मांगा

काठमांडू, (हि.स.)। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने थाईलैंड की राजधानी बैंकाक में होने वाले बिमस्टेक शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ अलग से बैठक करने के लिए मुलाकात का समय मांगा है। भारत में नेपाल के राजदूत डा. शंकर शर्मा ने भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री से मुलाकात करके दोनों शीर्ष नेताओं की साइडलाइन मुलाकात के लिए समय देने का आग्रह किया है।

इस बारे में राजदूत डॉ. शर्मा ने कहा कि बहु क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिए बिमस्टेक शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री ओली और प्रधानमंत्री मोदी के बीच साइडलाइन मुलाकात के लिए आग्रह किया गया है। इसी वर्ष 2-4 अप्रैल को थाईलैंड की राजधानी में बैंकाक में बिमस्टेक का शिखर सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है, जिसमें भारत और नेपाल के अलावा बांग्लादेश, श्रीलंका, म्यांमार, भूटान और थाईलैंड के सरकार प्रमुखों की उपस्थिति रहने वाली है। यहीं पर पहली बार भारतीय प्रधानमंत्री मोदी और बांग्लादेश के सरकार प्रमुख मोहम्मद युनुस एक साथ एक मंच पर होंगे। वैसे ओली और मोदी के बीच सितंबर में अमेरिका के न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान साइडलाइन मुलाकात हुई थी। नेपाल के प्रधानमंत्री के अनेक प्रयासों के बावजूद भारत की तरफ से अब तक उन्हें भारत भ्रमण का औपचारिक निमंत्रण नहीं मिल पाया है।

## अमेरिका से निष्कासित दो दर्जन नेपाली नागरिकों को लेकर विमान काठमांडू पहुंचा

काठमांडू, (हि.स.)। अमेरिकी प्रशासन के अवैध आप्रवासियों के निष्कासन की नीति के तहत करीब दो दर्जन नेपाली नागरिकों को लेकर एक चार्टर्ड विमान आज सुबह 10 बजे काठमांडू के एयरपोर्ट पहुंचा।

त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय विमानस्थल पर उतरे विमान से 25 नेपाली नागरिकों को लाया गया है। नेपाल इमिग्रेशन डिपार्टमेंट के निदेशक ईश्वरी दत्त ने बताया कि मंगलवार को काठमांडू स्थित अमेरिकी दूतावास ने उन्हें यह जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि वापस आए सभी नेपाली नागरिक अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे थे। काठमांडू स्थित त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के सुरक्षा प्रमुख नेपाल पुलिस के एसएसपी कृष्ण हरि पोखरेल ने बताया कि ग्रिफिन एयर का चार्टर्ड विमान जीआरपी 23 आज पहुंचा। उसमें 25 नेपाली नागरिक थे। इन सभी को इमिग्रेशन डिपार्टमेंट में लाया गया है।

# पाकिस्तान में हथियारबंद लोगों ने ग्वादर जिले में कई वाहनों को आग लगाकर फूंका

इस्लामाबाद, (हि.स.)। पाकिस्तान में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने कई वाहनों को आग लगाकर फूंक दिया। यह वारदात सोमवार देररात अशांत बलूचिस्तान प्रांत के ग्वादर जिले में हुई है। अधिकारियों के अनुसार, ग्वादर जिले में पसनी और ओरमारा के बीच मकरान तटीय राजमार्ग-10 को अवरुद्ध करने के बाद रसोई गैस टैंकर सहित कई वाहनों में आग लगा दी गई। यह जिला बलूचिस्तान प्रांत के दक्षिण में है। इसकी सीमा दक्षिण में अरब सागर और पश्चिम में ईरान के सिस्तान से लगती है। डान अखबार के अनुसार, अधिकारियों ने कहा कि हथियारबंद लोगों के बड़े समूह ने सबसे पहले राजमार्ग के मकोला क्षेत्र में बैरिकेडिंग की। इसके बाद गुजरने वाले वाहनों को रोका। उन्होंने कराची से ईरान लौट रहे खाली एलपीजी टैंकरों सहित कई वाहनों को नियंत्रण लेने के बाद आग लगाकर फूंक दिया। एसएसपी (हाइवे पुलिस) हाफिज बलूच ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि आग लगाकर फूंके गए वाहनों में छह एलपीजी टैंकर और एक हाइवे पुलिस का वाहन शामिल है। तीन एलपीजी टैंकर किसी काम के नहीं बचे हैं। बाकी का कुछ ढांचा सलामत है।

एसएसपी हाफिज ने बताया कि हमलावरों ने गोलियां चलाकर तीन टैंकरों के टायर पंक्चर कर दिए। इस दौरान बंदूकधारियों ने एक राजमार्ग पुलिस चौकी पर हमला किया। गश्त कर रहे पुलिस अधिकारियों के हथियार छीनकर उन्हें निहत्था कर दिया। हमलावर तीन घंटे से अधिक समय तक राजमार्ग पर बवाल काटते रहे। एसएसपी ग्वादर ने कहा कि हथियारबंद लोगों ने भागने से पहले हाइवे पुलिस के एक वाहन में भी आग लगा दी।

पाकिस्तान में एक आत्मघाती बम हमले को देखते हुए लोग अस्पताल के पास खड़ी एक एंबुलेंस के करीब पहुंच गये।

# जयशंकर लंदन में मिले कीर स्टार्मर से, द्विपक्षीय संबंधों और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

लंदन, (हि.स.)। भारतीय विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर ने मंगलवार देरशाम यहां ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर से मुलाकात की। इस दौरान जयशंकर ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से उन्हें शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात 10 डाउनिंग स्ट्रीट में हुई। जयशंकर ने इस मुलाकात का विवरण और कुछ फोटो अपने एक्स हैंडल पर साझा किए हैं।

जयशंकर ने कहा कि ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर के साथ उनकी मुलाकात में द्विपक्षीय सहयोग के अलावा रूस-यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण संबंधी मुद्दे रहे। जयशंकर ने मुलाकात के दौरान हुई चर्चा के संदर्भ में एक्स पर लिखा, "हमारे द्विपक्षीय, आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने और लोगों के बीच आदान-प्रदान बढ़ाने पर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री स्टार्मर ने यूक्रेन संघर्ष पर ब्रिटेन के दृष्टिकोण को भी साझा किया।"

विदेशमंत्री जयशंकर ने अपनी छह दिवसीय ब्रिटेन और आयरलैंड की आधिकारिक यात्रा के पहले दिन लंदन में कई मंत्रियों से भी मुलाकात की। उन्होंने ब्रिटेन के व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स और गृहमंत्री यवेट कूपर के साथ भी भेंटवार्ता की। जयशंकर और यवेट कूपर ने मुलाकात में ट्रैफिकिंग, आतंकवाद और अन्य सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोग के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं शैक्षिक आदान-प्रदान पर चर्चा की। इसके बाद वह अपने समकक्ष डेविड लैमी से मिले। जयशंकर ने शेवेनिंग हाउस में गर्मजोशी से स्वागत के लिए उनका आभार जताया। जयशंकर ने कहा कि लैमी के साथ भारत के शेवेनिंग स्कॉलर्स से मिलकर बहुत अच्छा लगा।

Page-07_Layout 1 3/5/2025 11:16 PM Page 1

जर्मनी में चैम्पियंस लीग फुटबॉल में खेलती हुई बोरशिया डोरमेंट और लिली की टीमें।

# आईसीसी वनडे रैंकिंग में विराट कोहली चौथे स्थान पर पहुंचे, शुभमन गिल शीर्ष पर कायम

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आईसीसी की ताजा वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में चौथा स्थान हासिल कर लिया है। कोहली ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 84 रनों की शानदार पारी खेली थी, जिसकी बदौलत उन्होंने भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को पीछे छोड़ते हुए यह स्थान हासिल किया।

रोहित एक स्थान खिसककर पांचवें स्थान पर आ गए हैं, जबकि उनके सलामी जोड़ीदार शुभमन गिल शीर्ष स्थान पर बरकरार हैं।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान स्टीव स्मिथ, जिन्होंने भारत के खिलाफ सेमीफाइनल में हार के बाद वनडे क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी, भी छह स्थान की छलांग लगाकर 16वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

अफगानिस्तान के उभरते सितारे अजमतुल्लाह ओमरजई ने आईसीसी वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने अपने हमवतन मोहम्मद नबी को पीछे छोड़ते हुए यह मुकाम पाया।

25 वर्षीय ओमरजई ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ पांच विकेट हॉल और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अर्धशतक शामिल था। उन्होंने कुल 126 रन बनाए, जिससे उन्हें बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी 12 स्थानों का उछाल मिला और अब वह 24वें स्थान (598 रेटिंग अंक) पर आ गए हैं।

भारत के अक्षर पटेल भी ऑलराउंडर रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाकर 17 स्थान ऊपर चढ़े और अब 13वें स्थान (194 रेटिंग अंक) पर पहुंच गए हैं, जो उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है।

न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी को चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला और वह तीन स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान (649 रेटिंग अंक) पर पहुंच गए। गेंदबाजों की रैंकिंग में श्रीलंका के माहिश तीक्ष्णा पहले स्थान और दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज दूसरे स्थान पर हैं।

भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने भी चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार गेंदबाजी के चलते तीन स्थानों की छलांग लगाई और अब 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के मार्को जानसेन नौ स्थान ऊपर उठकर 18वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने 13 स्थान की छलांग लगाकर 19वां स्थान हासिल किया है। उन्होंने इंग्लैंड के साथी आदिल रशीद और ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क के साथ रैंकिंग साझा की है।

# शरत कमल ने की संन्यास की घोषणा, डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर चेन्नई होगा आखिरी टूर्नामेंट

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय टेबल टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी शरत कमल ने बुधवार को घोषणा की कि वह आगामी डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेंडर चेन्नई के बाद पेशेवर टेबल टेनिस से संन्यास ले लेंगे।

42 वर्षीय शरत कमल भारत के सबसे सफल टेबल टेनिस खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। उन्होंने पांच ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व किया है और एशियाई खेलों व कॉमनवेल्थ खेलों में कई पदक जीते हैं।

शरत कमल ने इंस्टाग्राम पर लिखा, चलिए 40 साल पहले से शुरू करते हैं, जब मैं दो साल का था। तब मैंने पहली बार रैकेट अपने हाथ में पकड़ा था, मुझे नहीं पता था कि यह मेरा सबसे लंबा साथी बन जाएगा। मैं इसे पूरी तरह से छोड़ नहीं रहा हूं लेकिन यह निश्चित रूप से बड़ी भीड़ के सामने बड़ी टेबल पर हमारे लिए अंत है। अब अपने रैकेट को थोड़ा आराम देने का समय है।

शरत कमल ने 2003 में अपना पहला राष्ट्रीय खिताब जीता था, जो उनके रिकॉर्ड 10 राष्ट्रीय खिताबों में पहला था। इसके बाद 2004 में कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप में पहला अंतरराष्ट्रीय पदक हासिल किया।

चेन्नई में जन्मे इस दिग्गज खिलाड़ी ने 2010 में आईटीटीएफ प्रो टूर खिताब जीतने वाले पहले भारतीय बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने इजिप्ट ओपन के फाइनल में हांगकांग के ली चिंग को हराकर यह ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की।

शरत कमल ने कॉमनवेल्थ गेम्स में कुल सात स्वर्ण पदक, तीन रजत और तीन कांस्य पदक जीते हैं। वहीं, एशियाई खेलों में उन्होंने दो कांस्य पदक और एशियन टेबल टेनिस चैंपियनशिप में चार कांस्य पदक अपने नाम किए हैं।

भारत में टेबल टेनिस के प्रति उनके योगदान को मान्यता देते हुए शरत कमल को राजीव गांधी खेल रत्न, पद्मश्री और अर्जुन पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा गया है।

उनके संन्यास की घोषणा के बाद खेल जगत में उन्हें बधाइयां और शुभकामनाएं मिल रही हैं। भारतीय टेबल टेनिस में उनका योगदान अमूल्य रहेगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बना रहेगा।

# हीरो डब्ल्यूपीजीटी के पांचवें चरण में वाणी ने बनाई एक शॉट की बढ़त

गुरुग्राम, (हि.स.)। वाणी कपूर ने हीरो विमेंस प्रो गोल्फ टूर (हीरो डब्ल्यूपीजीटी) के पांचवें चरण के पहले दिन क्लासिक गोल्फ एंड कंट्री क्लब में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 2-अंडर 70 का स्कोर किया और एक शॉट की बढ़त के साथ बढ़त बना ली। हालांकि, उन्होंने अंतिम होल पर बर्डी के साथ अपनी एकाग्रता बनाए रखी।

चौथे चरण की विजेता रहीं वाणी ने अपने करीबी दोस्त अमनदीप द्राल (71) पर एक शॉट की बढ़त बनाई। वाणी और अमनदीप ही एकमात्र खिलाड़ी रहीं, जिन्होंने बेहद तेज हवाओं के चलते मुश्किल स्कोरिंग वाले दिन अंडर पार स्कोर किया। रिया झा तीसरे स्थान पर रहीं। उन्होंने पार-4 आठवें होल पर ईगल लगाया, लेकिन पांच बोगी और एक बर्डी के साथ 74 का स्कोर किया। कठिन स्कोरिंग वाले इस दिन पांच खिलाड़ी संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहीं, जिन्होंने 4-ओवर 76 का स्कोर किया। इस सूची में एमेच्योर सिरत कांग, अनाहिता सिंह, ओविया रेड्डी, नेहा त्रिपाठी और रिधिमा दिलावरी शामिल रहीं। वाणी ने अपने राउंड में चार बर्डी और दो बोगी की। उन्होंने पहले होल पर पार खेला और फिर दूसरे और तीसरे होल पर लगातार बर्डी लगाईं। इसके बाद आठ पार खेले और पार-4 12वें होल पर एक और बर्डी की। हालांकि, 16वें और 17वें होल पर लगातार बोगी करने के बावजूद, उन्होंने 18वें होल पर बर्डी के साथ अपना राउंड खत्म किया। अमनदीप द्राल ने पहले होल पर बोगी से शुरूआत की, लेकिन पांचवें होल पर बर्डी के साथ वापसी की। उन्होंने पार-4 13वें होल पर एक और शॉट गंवा दिया, लेकिन 14वें और 18वें होल पर बर्डी कर 71 का स्कोर बनाया।

इंडियन वेल्स में रुस के डेनिल मेदवदेव बीएनपी परिबास ओपन टेनिस में खेलते हुए।

दिल्ली

# इग्नू ने दीक्षांत समारोह में 3 लाख से अधिक डिग्री, डिप्लोमा और प्रमाण पत्र प्रदान किए

नई दिल्ली, (हि.स.)। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने बुधवार को अपने 38वें दीक्षांत समारोह में 3 लाख से अधिक डिग्री, डिप्लोमा और प्रमाण पत्र प्रदान किए। दीक्षांत का मुख्य समारोह इग्नू के मैदान गढ़ी स्थित मुख्यालय में आयोजित किया गया। इसके अलावा देश भर में इग्नू के 39 क्षेत्रीय केंद्रों और 15 देशों में विश्वविद्यालय के विदेशी केंद्रों पर एक साथ समारोह आयोजित किया गया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इग्नू 38वें दीक्षांत समारोह में 3.17 लाख से अधिक सफल शिक्षार्थियों की सफलता का जश्न मना रहा है। यह विश्वविद्यालय के इतिहास में अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को लागू करने में इग्नू की भूमिका पर जोर देते हुए केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि इग्नू इन सुधारों को लागू करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि इग्नू कामकाजी पेशेवरों, अंतरराष्ट्रीय छात्रों, जेल के कैदियों और रक्षा कर्मियों के लिए विविध कार्यक्रम पेश कर रहा है। कई भाषाओं में एमबीए पाठ्यक्रमों सहित इसकी क्षेत्रीय भाषा पहल, बेहतर समझ में मदद करेगी और सुलभता को बढ़ावा देगी।

धर्मेंद्र प्रधान ने अपने संबोधन में कौशल विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने दूरस्थ रूप से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए एआई और डिजिटल लर्निंग जैसी तकनीकी प्रगति को अपनाने के लिए विश्वविद्यालय की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षक प्रशिक्षण पहल सहित क्षमता निर्माण कार्यक्रम सभी स्तरों पर शिक्षा को मजबूत कर रहे हैं। प्रधान ने कहा कि हम 2047 तक विकसित भारत की दिशा में काम कर रहे हैं। ऐसे में इग्नू को डिजिटल शिक्षा का विस्तार, वैश्विक सहयोग को मजबूत करना और आजीवन सीखने को बढ़ावा देना चाहिए।

इस अवसर पर आईआईएम तिरुचिरापल्ली के निदेशक प्रो. पवन कुमार सिंह ने उच्च शिक्षा को समाज के सभी वर्गों के लिए सुलभ बनाने के इग्नू के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने शिक्षा की पहुंच बढ़ाने और सीखने को अधिक समावेशी बनाने के लिए इग्नू द्वारा प्रौद्योगिकी के उपयोग की सराहना की। प्रो. सिंह ने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे तीव्र परिवर्तनों के साथ तालमेल बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने भगवद गीता से अंतर्दृष्टि प्राप्त करते हुए व्यक्ति के जीवन को आकार देने में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षा और दैनिक जीवन पर प्रौद्योगिकी के गहन प्रभाव को स्वीकार किया और इस बात पर जोर दिया कि कैसे इसके एकीकरण ने सीखने और पहुंच में क्रांति ला दी है।

इस अवसर पर इग्नू की कुलपति प्रो. उमा कांजीलाल ने कहा कि इग्नू उच्च शिक्षा में पहुंच, समावेश, गुणवत्ता और सामर्थ्य के अपने अधिदेश को साकार करने में सफल रहा है। 7.5 लाख शिक्षार्थियों के औसत वार्षिक प्रवेश के साथ, विश्वविद्यालय उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इग्नू ने एनईपी 2020 के प्रावधानों को सक्रिय रूप से लागू किया है। रक्षा बलों के अग्निवीरों के लिए विशेष रूप से पांच कौशल-आधारित स्नातक डिग्री कार्यक्रम तैयार किए गए हैं। इन कार्यक्रमों में 5000 से अधिक अग्निवीरों का नामांकन किया गया है। विश्वविद्यालय लगातार नए शैक्षणिक कार्यक्रम जोड़ रहा है और नए शिक्षार्थी वर्गों तक पहुंच बना रहा है। 2024 में कुल 47 नए कार्यक्रम शुरू किए गए और अब कार्यक्रमों की कुल संख्या 334 हो गई।

# विविधता का अमृत महोत्सव राष्ट्रपति भवन परिसर में 6-9 मार्च तक होगा आयोजित

नई दिल्ली, (हि.स.)। विविधता का अमृत महोत्सव के तहत इस वर्ष दक्षिण भारत के रंग देखने को मिलेंगे। राष्ट्रपति भवन में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम का उद्घाटन बुधवार शाम को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु करेंगी। यह उत्सव 6 से 9 मार्च तक सुबह 10 से शाम 8 बजे तक जनता के लिए खुला रहेगा। इस उत्सव में प्रवेश निःशुल्क है। इस उत्सव के दूसरे संस्करण में दक्षिण भारत को दशार्या गया है, जिसमें कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश शामिल हैं। इसके साथ इस उत्सव में लक्षद्वीप और पुडुचेरी को भी शामिल किया गया है। इस उत्सव में दक्षिण भारत के 500 से अधिक कारीगर और बुनकर पारंपरिक हस्तशिल्प और हथकरघा का प्रदर्शन करेंगे, जिसमें कांजीवरम और कसावु साड़ियां, पोचमपल्ली इकत, मैसूर सिल्क और जटिल पीतल और लकड़ी के शिल्प शामिल हैं। 400 से अधिक कलाकार लोक और शास्त्रीय नृत्य और संगीत प्रस्तुत करेंगे, जिससे दक्षिण भारत की सांस्कृतिक झलक दिखाई देगी।

पिछले साल आयोजित पहले संस्करण में पूर्वोत्तर भारत पर ध्यान केंद्रित किया गया था और इसे 1.3 लाख आगंतुकों और कारीगरों के लिए 1 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री के साथ जबरदस्त समर्थन मिला था। इस उत्सव का उद्देश्य राष्ट्रपति भवन को सांस्कृतिक आदान-प्रदान का केंद्र बनाना है, जिससे भारत की जीवंत विरासत को उसके नागरिकों के करीब लाया जा सके।

इस उत्सव में दक्षिण भारत के लजीज पकवान का भी लुफ्त लेने का मौका मिलेगा। इसमें बिसी बेले बाथ, केरल साद्या, चेट्टीनाड की खासियतें और आंध्र के तीखे स्वाद जैसे मुंह में पानी लाने वाले स्वाद को चखने का मौका मिलेगा। इसके साथ युवा पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए इंटरैक्टिव कार्यशालाओं, कहानी सुनाने और सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ युवा जुड़ाव क्षेत्र को भी विकसित किया गया है।

यह उत्सव संस्कृति मंत्रालय, कपड़ा मंत्रालय, जनजातीय मामलों के मंत्रालय, पर्यटन मंत्रालय और सभी भाग लेने वाले राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के संयुक्त प्रयास से आयोजित किया जा रहा है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी बुधवार को कुलियों के बीच। राहुल ने उनसे समस्याओं पर चर्चा भी की।

# साहित्य अकादमी का छह दिवसीय साहित्योत्सव सात मार्च से, 50 से अधिक भाषाओं का होगा प्रतिनिधित्व

नई दिल्ली, (हि.स.)। साहित्य अकादमी के साहित्योत्सव-2025 का आयोजन यहां के फिरोजशाह रोड स्थित रवीन्द्र भवन में 7 से 12 मार्च तक किया जाएगा। केंद्रीय संस्कृति एवं पयर्टन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत इसका उद्घाटन करेंगे। इस साहित्योत्सव में पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा, बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और गोवा के राज्यपाल पीएस. श्रीधरन पिल्लै विशेष रूप से भाग ले रहे हैं।

यह जानकारी साहित्य अकादमी के सचिव डॉ. के. श्रीनिवासराव ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में दी।

डॉ. श्रीनिवासराव ने बताया कि पिछली बार का साहित्योत्सव-2024 दुनिया का सबसे बड़ा साहित्योत्सव था। इस वर्ष का साहित्योत्सव-2025 एशिया का सबसे बड़ा साहित्य उत्सव होगा।

इस साहित्योत्सव में 100 से अधिक सत्रों में 700 से अधिक प्रसिद्ध लेखक और विद्वान भाग लेंगे। इसमें देश की 50 से अधिक भाषाओं का भी प्रतिनिधित्व होगा।

साहित्योत्सव का मुख्य आकर्षण साहित्य अकादमी पुरस्कार 2024 अर्पण समारोह होगा, जो 8 मार्च को कमानी सभागार में शाम 05 बजे होगा। इस पुरस्कार-अर्पण समारोह के मुख्य अतिथि प्रख्यात अंग्रेजी नाटककार महेश दत्तानी होंगे। प्रतिष्ठित संवत्सर व्याख्यान प्रख्यात अंग्रेजी लेखक उपमन्यु चटर्जी द्वारा 9 मार्च को शाम 6.30 बजे मेघदूत मुक्ताकाशी मंच पर होगा। छह दिवसीय इस साहित्योत्सव में इस बार की राष्ट्रीय संगोष्ठी का विषय है- भारतीय साहित्यिक परंपराएं: विरासत और विकास। इसके अतिरिक्त प्रख्यात मलयालम लेखक ओमचेरी एनएन पिल्लै जन्मशतवार्षिकी संगोष्ठी, मोहन राकेश जन्मशतवार्षिकी संगोष्ठी, प्रख्यात गीतकार गोपालदास नीरज के गीतों पर चर्चा, जितेंद्र भाटिया के साथ कथासंधि तथा लेखक से भेंट के अंतर्गत सुबोध सरकार से रूबरू कराया जाएगा। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अंतर्गत राकेश चौरसिया द्वारा बांसुरी वादन, फौजिया दास्तानगो द्वारा दास्तान-ए-महाभारत तथा नलिनी जोशी द्वारा हिंदुस्तानी गायन प्रस्तुत किया जाएगा।

भारतीय नदियों के नाम पर निर्मित किए गए सभागारों में सुबह 10 से शाम 06 बजे तक विभिन्न कार्यक्रमों में बहुभाषी कहानी-पाठ, पूर्वोत्तरी, उत्तर-पूर्वी लेखक सम्मेलन, बहुभाषी कविता-पाठ, युवा साहिती और एलजीबीटीक्यू लेखक सम्मेलन के अतिरिक्त भारत में आत्मकथात्मक साहित्य, भारत की साहित्यिक कृतियों में लुप्त होता ग्रामीण समाज, विभाजन पर केंद्रित भारतीय साहित्य, अनुवाद में संस्कृति चित्रण, सिनेमा के लिए फिल्माई गई साहित्यिक कृतियां, साहित्य की सार्वभौमिकता, वैश्विक साहित्यिक परिदृश्य में भारतीय साहित्य, स्वातंत्र्योत्तर भारतीय साहित्य में राष्ट्रीयता आदि विषयों पर चर्चा होगी।

Page-08_Layout 1 3/6/2025 3:02 AM Page 1



# सपा लोहिया के रास्ते से भटकी, औरंगजेब को बना रही आदर्श : योगी

**आलोक पाण्डेय/दिव्य भारत**

लखनऊ। महाराष्ट्र में समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी के मुगल बादशाह औरंगजेब की प्रशंसा करने वाले बयान ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी हलचल मचा दी है। बुधवार को विधान परिषद में बजट सत्र के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अबू आजमी के बयान पर सपा को आड़े हाथों लेते हुए जमकर फटकार लगाई। योगी ने सपा से अपने विधायक को तत्काल पार्टी से निलंबित करने और उसे उत्तर प्रदेश भेजने की मांग की, साथ ही चेतावनी दी कि यूपी ऐसे लोगों का इलाज करने में देरी नहीं करता।

मुख्यमंत्री ने सदन में कहा कि सपा भारत की सांस्कृतिक विरासत पर गर्व नहीं करती और अपने मूल विचारक डॉ. राम मनोहर लोहिया के सिद्धांतों से भटक गई है। डॉ. लोहिया ने भारत की एकता के तीन आधार बताए थे- श्रीराम, श्रीकृष्ण और भगवान शिव, लेकिन आज सपा औरंगजेब जैसे क्रूर शासक को अपना आदर्श मान रही है। योगी ने औरंगजेब के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि उसने अपने पिता शाहजहां को आगरा किले में कैद कर पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसाया

- **औरंगजेब की तारीफ करने वाले अपने विधायक को यूपी भेजे सपा, अच्छे से होगा 'उपचार'**

था। उन्होंने सपा नेताओं को पटना की लाइब्रेरी में शाहजहां की जीवनी पढ़ने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि शाहजहां ने औरंगजेब को कहा था कि तुम से अच्छा तो हिन्दू है जो जीते जी तो अपने बुजुर्ग मां-बाप की सेवा करता है और मृत्युपरांत वर्ष में एक बार श्राद्ध करते हुए मां-बाप को जल अर्पित करता है। सीएम ने कहा कि जिन लोगों का आचरण औरंगजेब जैसा है वो उसपर गर्व कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री योगी ने सपा पर भारत की आस्था पर प्रहार करने का आरोप लगाते हुए कहा कि औरंगजेब ने जजिया कर लगाया, मंदिर तोड़े और भारत का इस्लामीकरण करने की कोशिश की। कोई सभ्य मुसलमान अपने बेटे का नाम औरंगजेब

नहीं रखता, क्योंकि उसे पता है कि वह उसे एक एक बूंद पानी के लिए तरसा देगा। उन्होंने सपा से सवाल किया कि वह महाकुम्भ जैसे आयोजन की आलोचना करती है और दूसरी ओर औरंगजेब जैसे 'दुर्दांत और धर्मांध' शासक का महिमामंडन करती है। मुख्यमंत्री ने सपा को चुनौती दी कि वह अपने विधायक (अबू आजमी) को पार्टी से निकाले और उसे यूपी भेजे, यहां उसका 'उपचार' किया जाएगा। उन्होंने सदन में पूछा कि जो छत्रपति शिवाजी की परंपरा पर लज्जा महसूस करता हो और औरंगजेब को नायक मानता हो, क्या उसे भारत में रहने का अधिकार है?

उल्लेखनीय है कि यह विवाद तब शुरू हुआ जब महाराष्ट्र के सपा विधायक अबू आजमी ने औरंगजेब को 'महान प्रशासक' बताते हुए उसकी प्रशंसा की थी। इस बयान के बाद यूपी विधान परिषद् में मुख्यमंत्री ने सपा को आड़े हाथ लिया है।

*कानपुर में होली व रमजान को देखते हुए एसीपी आईपी सिंह व फजल गंज थानाध्यक्ष सुनील सिंह ने दल बल के साथ किया क्षेत्र का निरीक्षण का छायाचित्र*

# महाकुम्भ की सतत अनुभूति का साक्षी बनेगा त्रिवेणी संगम

**दिव्य भारत संवाददाता**

- **प्रयागराज महाकुम्भ के समापन के बाद भी संगम क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर की सभी सुविधाओं का होगा विस्तार**
- **सड़क, बिजली, वाटर एटीएम और फूड कोर्ट की व्यवस्था से लेकर घाटों पर भव्य आरती की योजना**
- **पूरे साल संगम को ग्लोबल टूरिस्ट डेस्टिनेशन बनाने की योगी सरकार की योजना**

प्रयागराज। त्रिवेणी के तट पर आयोजित महाकुम्भ 2025 ने इतिहास बना दिया। 45 दिन तक चले इस महा आयोजन में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आगमन के बाद संगम के घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ ने मेला प्रशासन को महा कुम्भ के बाद संगम के लिए नया रोड मैप बनाने के लिए प्रेरित किया है। प्रयागराज महाकुम्भ में आस्था के जन सैलाब ने प्रशासन के सभी अनुमानों को पीछे छोड़ दिया। विशेष तौर पर बसंत पंचमी के तीसरे और अंतिम अमृत स्नान के बाद महाकुम्भ में आए श्रद्धालुओं ने संकेत कर दिया कि यह सनातन की आस्था का संवेग है। महा शिवरात्रि के बाद संगम के घाटों में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ महा कुम्भ की सतत अनुभूति की तरफ इशारा कर रही है। दिल्ली से त्रिवेणी में डुबकी लगाने आए विजयकांत का कहना है कि हमने महा कुम्भ के अमृत काल में भी पुण्य की डुबकी लगाई और अब भीड़ कम होने पर सपरिवार संगम के पावन जल में उसी अनुभूति के साथ डुबकी लगा रहे हैं। मध्य प्रदेश के दमोह से अपनी पत्नी के साथ संगम में पुण्य की डुबकी लगाने आए शशिकांत मदेशिया का कहना है कि हमारे लिए त्रिवेणी संगम का जल महाकुम्भ के बाद भी उतना ही पुण्य फल वाला है जितना महाकुम्भ में था। श्रद्धालुओं के सतत आगमन को देखते हुए मेला प्रशासन ने संगम और उसके आसपास के क्षेत्र को नव्य स्वरूप देने का रोड मैप तैयार करना शुरू कर दिया है। प्रयागराज महाकुम्भ में आस्था का जो विराट स्वरूप सामने आया उससे कुम्भ नगरी, अयोध्या और काशी के साथ आध्यात्मिक पर्यटन का मजबूत त्रिकोण बनता नजर आ रहा है। मेला प्राधिकरण भी इसी रुझान को देखते हुए अग्रसर हो रहा है। एडीएम मेला विवेक चतुर्वेदी का कहना है कि महा कुम्भ के समापन के बाद भी महा कुम्भ क्षेत्र के संगम और उसके आसपास के क्षेत्रों से कुम्भ में प्रदान की गई सुविधाएं हटाई नहीं जाएंगी।

# महाकुम्भ में यूपी अग्निशमन विभाग ने जीरो जनहानि के साथ पाया अग्नि दुर्घटनाओं पर काबू

**आशीष पाण्डेय/दिव्य भारत**

प्रयागराज। प्रयागराज के संगम तट पर विश्व के सबसे बड़े मानवीय समागम, महाकुम्भ में 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र संगम में स्नान किया। 4000 हेक्टेयर में बसे और 25 सेक्टर में बंटे महाकुम्भ नगर में लगभग प्रत्येक दिन एक करोड़ से अधिक श्रद्धालु संगम तट पर आ रहे थे। ऐसे में यूपी अग्मिशमन विभाग ने अपने अत्याधुनिक उपकरणों और मुस्तैदी से महाकुम्भ जैसे महाआयोजन में बिना किसी जन हानि के अग्नि दुर्घटनाओं पर काबू पाया। साथ ही लगभग 16.5 करोड़ रुपए से अधिक की धन हानि को भी बचाया। महाकुम्भ में लगभग 24 बड़ी अग्नि दुर्घटनाओं के साथ 185 अग्नि दुर्घटनाओं पर काबू पाया गया। जिसने सीएम योगी की सुरक्षित महाकुम्भ की परिकल्पना को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महाकुम्भ 2025 को सुरक्षित महाकुम्भ बनाने में यूपी अग्नि शमन विभाग ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यूपी अग्नि शमन विभाग ने महाकुम्भ के 45 दिनों के दिव्य, भव्य आयोजन में 185 अग्नि दुर्घटनाओं पर बिना किसी जन हानि के काबू पाया। यूपी अग्नि शमन विभाग के सीएफओ प्रमोद शर्मा ने बताया कि 185 में से 24 अग्नि दुर्घटनाएं गंभीर स्थिति की थी, जिनमें काबू पाने में कुछ टेंट और तम्बू जल गये लेकिन किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई। जबकि 86 के करीब छिटपुट अग्निजनित दुर्घटनाएं भी हुईं जिन पर आसानी से काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि महाकुम्भ के दौरान सबसे बड़ी अग्नि दुर्घटना 19 जनवरी को मेले के सेक्टर-19 में सिलेंडर के फटने से हुई थी, लेकिन उसमें भी विभाग ने पूरी मुस्तैदी से सभी श्रद्धालुओं और कल्पवासियों को रेस्क्यू करते हुए कम से कम समय में काबू पा लिया था। महाकुम्भ के दौरान लगभग 16.5 करोड़ रुपये की धन हानि को प्रत्यक्ष तौर पर बचाया गया। इसके साथ ही 8 पशुओं को भी आग की चपेट में आने से सफलतापूर्वक बचाया गया। सुरक्षित महाकुम्भ की परिकल्पना के अनुरूप मेला क्षेत्र के 25 सेक्टरों में 50 अग्निशमन केंद्र, 20 अग्निशमन चौकियां स्थापित की गई थीं। मेले के दौरान 2,200 प्रशिक्षित अग्नि कर्मी प्रत्येक सेक्टर में तैनात रहे। अग्नि शमन विभाग के सीएफओ प्रमोद शर्मा ने बताया कि महाकुम्भ में 351 अग्निशमन वाहन सहित अत्याधुनिक अग्निशमन उपकरणों की भी व्यवस्था की गई थी।

- **सुरक्षित महाकुम्भ बनाने में यूपी फायर एवं इमरजेंसी सर्विसेज ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका**
- **अग्निशमन विभाग ने महाकुम्भ में 24 गंभीर और कुल 185 अग्निजनित दुर्घटनाओं पर किया नियंत्रण**
- **यूपी फायर पुलिस ने महाकुम्भ में अत्याधुनिक उपकरणों और क्विक रिस्पॉन्स एक्शन से चलाए सफल रेस्क्यू ऑपरेशन**

# सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर का समापन

**दिव्य भारत संवाददाता**

झाँसी। रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा ग्राम केशवपुर में आयोजित सात दिवसीय एनएसएस विशेष शिविर का समापन हो गया। इस शिविर का समापन माननीय कुलपति डॉ. ए.के. सिंह के मार्गदर्शन में हुआ। शिविर के अंतिम दिन की शुरूआत ध्यान सत्र से हुई, जिसके बाद एनएसएस स्वयंसेवकों ने केशवपुर गाँव में शिक्षा के प्रति जागरूकता रैली और नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया।

इस दौरान स्वयंसेवकों ने गाँव के प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को पढ़ाया और उन्हें शिक्षा के महत्व के बारे में बताया। इसके साथ ही, पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से गाँव में पौधे वितरित किए गए और विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा 'लक्ष्य गीत' गाकर की गई। इसके बाद, डॉ. राम प्रकाश यादव, कार्यक्रम समन्वयक ने मंच पर उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत करते हुए सात दिनों में

एनएसएस की गतिविधियों के बारे में संक्षेप में जानकारी दी। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. आर. के. सिंह, अधिष्ठाता कृषि ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा हमें अपने जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण को अपनाने और इसे आगामी पीढ़ियों तक पहुंचाने को अपनी मुख्य जिम्मेदारी मानना चाहिए। उन्होंने स्वयंसेवकों को समाज में फैली कुरीतियों के बारे में जागरूकता फैलाने और बौद्धिक सत्रों से प्राप्त ज्ञान को अपने आचरण में उतारने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी डॉ. मनीष श्रीवास्तव एवं अधिष्ठाता मत्स्यकी डॉ मनमोहन दोबरियाल ने स्वयंसेवकों को सात दिवसीय शिविर की सफलता पर बधाई दी और उनकी मेहनत की सराहना की। उन्होंने एनएसएस स्वयंसेवकों को समाज सेवा की जिम्मेदारी का एहसास कराया और इसे पूरी निष्ठा के साथ निभाने के लिए प्रोत्साहित किया।

समापन समारोह में स्वयंसेवकों को विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे खेलकूद, रंगोली और पोस्टर प्रतियोगिता में भाग लेने पर प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अनीता पुयम और धन्यवाद ज्ञापन डॉ. राकेश कुमार ने दिया। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आशुतोष कुमार, डॉ. बिजी लक्ष्मी एवं सभी एनएसएस स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

# बुंदेलखंड में जैविक एवं प्राकृतिक खेती पर पाँच दिवसीय प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न

**दिव्य भारत संवाददाता**

झाँसी। बुंदेलखंड क्षेत्र में जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और किसानों को नवीनतम तकनीकों से अवगत कराने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वित्तपोषित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ऑन ऑर्गेनिक एंड नेचुरल फार्मिंग के अंतर्गत पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम माननीय कुलपति डॉ. ए.के. सिंह के संरक्षण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य किसानों को रासायनिक खेती से हटकर जैविक एवं प्राकृतिक खेती की ओर प्रेरित करना था, जिससे न केवल मृदा स्वास्थ्य को सुधारने में मदद मिलेगी, बल्कि बेहतर पोषण और पर्यावरण संतुलन भी सुनिश्चित किया जा सकेगा।

कार्यक्रम के अध्यक्ष निदेशक शिक्षा डॉ. अनिल कुमार, कृषि महाविद्यालय के डीन डॉ. आर.के. सिंह, एवं बागवानी एवं वानिकी महाविद्यालय के डीन डॉ. मनीष श्रीवास्तव ने किसानों को इस

विषय में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। इस प्रशिक्षण के समन्वयक डॉ. योगेश्वर सिंह ने बताया कि जैविक खेती की ओर लौटने से किसानों को स्वस्थ और प्राकृतिक उत्पाद प्राप्त करने में मदद मिलेगी, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति भी मजबूत होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बुंदेलखंड क्षेत्र में जैविक खेती को एक बड़े स्तर पर अपनाने की आवश्यकता है ताकि यहाँ के किसान लाभान्वित हो सकें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में श्री वी. के. सचान (प्राचार्य, शासकीय कृषि फार्म, कृषि महाविद्यालय, चिरगांव, झांसी) ने जैविक खेती के महत्व पर विस्तार से चर्चा की और किसानों को इस पद्धति को अपनाने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद विभिन्न तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. शिवेंद्र सिंह ने बीजामृत, जीवामृत एवं घनजीवामृत जैसी जैविक खादों की तैयारी की विधियों को विस्तार से समझाया। वहीं, डॉ. विश्वनाथ चौहान ने गोबर खाद, हरी खाद और जैविक पोषक तत्वों के निर्माण की तकनीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। किसानों को फार्म भ्रमण के दौरान जैविक खेती की आधुनिक तकनीकों का प्रत्यक्ष अनुभव भी कराया गया, जिससे वे अपने खेतों में इसे प्रभावी रूप से लागू कर सकें।

इस प्रशिक्षण के दौरान किसानों को ब्रहमास्त्र, नीमास्त्र और बीजामृत जैसे पारंपरिक जैविक उपचार तैयार करने की विधियां सिखाई गईं, जिससे वे प्राकृतिक रूप से कीट और रोगों के प्रबंधन को सीख सकें। इसके अतिरिक्त, प्राकृतिक खेती में बीज उपचार, पोषक तत्व प्रबंधन और रोग नियंत्रण की आधुनिक जैविक विधियों पर भी विस्तृत चर्चा की गई। डॉ. अनिल कुमार ने क्लस्टर निर्माण एवं फेडरेशन तैयार करने की प्रक्रिया पर विशेष जोर दिया, जिससे जैविक खेती को संगठित रूप में बढ़ावा मिल सके। वहीं, डॉ. विनोद कुमार सचान ने जैविक एवं प्राकृतिक खेती के इतिहास, महत्व और इसकी बुंदेलखंड क्षेत्र में संभावनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

यह पाँच दिवसीय प्रशिक्षण किसानों के लिए अत्यंत लाभदायक साबित हुआ, जिसमें बुंदेलखंड क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से आए किसानों ने भाग लिया और जैविक खेती की तकनीकों को व्यावहारिक रूप से सीखा। किसानों ने इस प्रशिक्षण को अत्यधिक उपयोगी बताया और भविष्य में जैविक खेती अपनाने की प्रतिबद्धता जताई। इस सफल प्रशिक्षण कार्यक्रम से बुंदेलखंड क्षेत्र में जैविक खेती को नई दिशा और गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है, जिससे स्थानीय किसानों की आय में वृद्धि होगी और कृषि क्षेत्र में एक नई क्रांति आएगी।

## संक्षिप्त समाचार

### स्वच्छ महाकुम्भ के नारे को सार्थक कर रहे प्रयागराज के छात्र

**दिव्य भारत संवाददाता**

प्रयागराज। महाकुम्भ के समापन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वच्छता का जो अभियान प्रयागराज में शुरू किया था, उसे अब यहां के नागरिक और छात्र आगे बढ़ा रहे हैं। इसी क्रम में कुंभ मेला क्षेत्र में स्वच्छता का संदेश देने के उद्देश्य से लाला मनमोहन दास इंटरमीडिएट कॉलेज के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सेक्टर 18 में स्वच्छता अभियान चलाया। महाकुम्भ समाप्ति के पश्चात भी स्वच्छ महाकुम्भ के संकल्प को जीवंत बनाए रखने के लिए इस अभियान का आयोजन किया गया। अभियान में 100 से अधिक एनसीसी, स्काउट एवं गाइड सहित विद्यार्थियों ने भाग लिया। सभी ने झाड़ू लेकर नालियों और खुले स्थानों में फैले पॉलिथीन व अन्य कचरे को एकत्रित किया। इसके साथ ही मानव श्रृंखला बनाकर स्वच्छता का संदेश भी दिया गया। अभियान में कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. निरंजन कुमार सिंह, सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं अन्य शिक्षकगण भी शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवन का संस्कार है।

### मायावती ने भाई आनंद की जगह रणधीर बेनीवाल को बनाया नेशनल कोआर्डिनेटर

लखनऊ, (हि.स.)। बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने भाई आनंद कुमार की जगह सहारनपुर के रणधीर बेनीवाल को नेशनल कोआर्डिनेटर की नई जिम्मेदारी दी है। आनंद ने एक पद पर रहकर कार्य करने की इच्छा जताई थी, जिसका मायावती ने स्वागत किया है। बसपा प्रमुख मायावती ने बुधवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि काफी लम्बे समय से निस्वार्थ सेवा व समर्पण के साथ कार्यरत बीएसपी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आनन्द कुमार, जिन्हें अभी हाल ही में नेशनल कोआर्डिनेटर भी बनाया गया था। उन्होंने पार्टी व मूवमेन्ट के हित के मद्देनजर एक पद पर रहकर कार्य करने की इच्छा व्यक्त की है, जिसका स्वागत है। ऐसे में आनन्द कुमार पहले की ही तरह बसपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर रहते हुए सीधे मेरे दिशा-निर्देशन में पूर्ववत अपनी जिम्मेदारियों को निभाते रहेंगे। अब उनकी जगह यूपी के जिला सहारनपुर निवासी रणधीर बेनीवाल को नेशनल कोआर्डिनेटर की नई जिम्मेदारी दी गयी है। इस प्रकार अब राज्यसभा सासंद रामजी गौतम व रणधीर बेनीवाल ये दोनों बसपा नेशनल कोआर्डिनेटर के रूप में सीधे तौर पर मेरे दिशा-निर्देशन में देश के विभिन्न राज्यों की जिम्मेदारियों को संभालेंगे। पार्टी को उम्मीद है कि ये लोग पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ कार्य करेंगे।

### संभल की मस्जिद जुमा, जामी या फिर जामा, कई शब्दों के प्रयोग पर एएसआई ने जतायी आपत्ति

प्रयागराज, (हि.स.)। इलाहाबाद हाई कोर्ट में संभल के जामा मस्जिद मामले की बुधवार को सुनवाई के दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिवक्ता मनोज कुमार सिंह ने मस्जिद के नाम में जुमा, जामी या जामा शब्द पर आपत्ति जतायी। अधिवक्ता सिंह ने प्रबंध समिति जामी मस्जिद संभल की पुनरीक्षण याचिका की सुनवाई के दौरान कहा कि एएसआई के दस्तावेजों में मस्जिद का नाम जुमा मस्जिद लिखा है। सेक्रेटरी आफ स्टेट एवं मस्जिद के मुतवल्ली के बीच 1927 में हुए करार में भी जुमा मस्जिद का जिक्र है। याचिका जामी मस्जिद के नाम से हाई कोर्ट में दाखिल की गयी है। पिछली सुनवाई में न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने याची के वरिष्ठ अधिवक्ता एसएफ ए नकवी से पूछा था कि असली नाम क्या है तो उन्होंने कहा कि जामा मस्जिद है। वह इस मामले में संशोधन अर्जी देंगे, लेकिन कोई संशोधन अर्जी नहीं आई।

### महिला लेखपाल के घूस लेने का वीडियो वायरल, एसडीएम ने किया निलम्बित

जौनपुर, (हि. स.)। शाहगंज तहसील के एक प्रमुख कार्यालय में तैनात महिला लेखपाल द्वारा जन्मतिथि प्रमाण पत्र बनाने के नाम पर पैसा वसूलने का एक वीडियो बुधवार को सोशल मिडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में महिला लेखपाल एक आवेदक से घूस लेते हुए दिखाई दे रही है। जिसको लेकर चर्चा तेज है। तहसील मुख्यालय पर उपजिलाधिकारी कार्यालय में महिला लेखपाल की तैनाती है। इसी महिला लेखपाल के पटल से जन्म प्रमाण पत्र बनाने का काम किया जाता है। बुधवार को वायरल हुए वीडियो में एक आवेदक कार्यालय पहुंचकर महिला लेखपाल से जन्म प्रमाण पत्र के सम्बंध में बात की और बातचीत के बीच लेखपाल आवेदक से पैसे की मांग करते हुए सुनाई दे रही है। आवेदक ने बातचीत के बाद लेखपाल को पैसा भी दिया।